संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 253
पृष्ठ 8
बुधवार
04 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या किडनी स्टोन होने पर...

विचार- प्रधानमंत्री भाजपा के लाभ के लिए...

खेल- मैं जिस टीम को चुनता हूं...

असम, सिक्किम और मणिपुर में भारी बारिश और बाढ़ से हाल बेहाल

पीएम मोदी ने दिया हरसंभव मदद का आश्वासन

- भारी बारिश के कारण आइजोल में स्कूल बंद
- असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 5.35 लाख से अधिक लोग प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला से क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न स्थिति पर बात की है। पीएम मोदी ने हरसंभव मदद और समर्थन का आश्वासन दिया है। इस बीच असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया, श्थोड़ी देर पहले प्रधानमंत्री ने मुझे असम में मौजूदा बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के लिए फोन किया। मैंने उन्हें बताया कि कैसे असम और आसपास के राज्यों में लगातार बारिश के कारण बाढ़ आई है और इससे कई लोगों की जान पर असर पड़ा है। मैंने उन्हें राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों से भी अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने चिंता व्यक्त की और हमारे राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। असम के लोगों के लिए उनके मार्गदर्शन और अटूट समर्थन के लिए आभारी हूं। इस बीच सिक्किम में भूस्खलन की चपेट में आने से सेना के एक शिविर में लापता हुए छह सैनिकों की तलाश और बचाव के लिए मंगलवार को 23 एनडीआरएफ कर्मियों की एक टीम उत्तरी सिक्किम के चट्टेन पहुंची। अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम सैटेलाइट फोन और आवश्यक आपातकालीन उपकरणों से लैस है। यहां एक सैन्य शिविर में भूस्खलन की चपेट में आने से सेना के तीन कर्मियों की मौत हो गई थी और छह सैनिक लापता हो गए थे। मंगन जिले के लाचेन शहर के पास रविवार शाम 7 बजे हुआ भूस्खलन क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुआ था। भारी बारिश की वजह से मिजोरम के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन, मिट्टी के बहाव और चट्टान गिरने की घटनाओं के कारण आइजोल में स्कूल मंगलवार को चौथे दिन भी बंद रहे। आइजोल के डिप्टी कमिश्नर और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष लालहरियातपुइया द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि आइजोल जिले के सभी स्कूलों को 3 जून को छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए स्कूली छात्रों की उपस्थिति निलंबित करने की सलाह दी जाती है। राजधानी आइजोल में मंगलवार सुबह भारी बारिश हुई। इससे पहले 29, 30 मई और 2 जून को तीन दिनों के लिए बारिश के कारण राज्य भर के सभी स्कूल बंद थे। असम में बाढ़ की स्थिति मंगलवार को भी गंभीर बनी हुई है, जहां 20 से अधिक जिलों में 5.35 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। मौसम विभाग ने कई हिस्सों में और बारिश की भविष्यवाणी की है। गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने मंगलवार के लिए चार जिलों धुबरी, दक्षिण सलमारा मनकाचर, गोलपारा और कोकराझार के लिए श्ऑरेंज अलर्टश जारी किया है। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिसमें बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 11 है, जबकि दो अन्य लापता हैं। कई इलाकों में भारी बारिश के कारण राज्य में सड़क, रेल और नौका सेवाएं प्रभावित रहीं।

देश में कोरोना संक्रमण से पांच और मरीजों की मौत

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

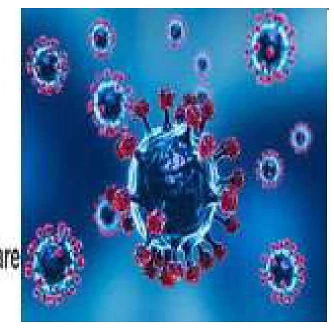

- सक्रिय मामलों की संख्या 4026 पहुंची
- जिन पांच मरीजों की मौत हुई उनमें केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के एक-एक, महाराष्ट्र के दो मरीज

नयी दिल्ली, एजेंसी। देशभर में कोराना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या मंगलवार सुबह बढ़कर 4026 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से पांच और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 37 पहुंच गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4026 पहुंच गयी। अभी तक 2700 मरीजों को स्वस्थ्य होने पर अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 37 लोगों की मौत हुयी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 65 सक्रिय मामले सामने आये हैं और 512 मरीजों के स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है लेकिन इस अवधि के दौरान पांच और मरीजों की जान चली गयी। जिन पांच मरीजों की मौत हुई उनमें केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के एक–एक, महाराष्ट्र के दो मरीज हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि कोविड की स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि उन्हें घबराने की आवश्यकता नहीं हैं और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचना चाहिये, या फिर मास्क का इस्तेमाल करने तथा कोरोना के नियमों का पालन करने को कहा है। कुल सक्रिय मामलों के सबसे अधिक 1416 केरल में और उसके बाद 494 महाराष्ट्र में हैं। दिल्ली में 393 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा गुजरात में 397, पश्चिम बंगाल में 372, कर्नाटक में 311, तमिलनाडु में 215, उत्तर प्रदेश में 138, राजस्थान में 75, हरियाणा में 44, आंध्र प्रदेश में 28, पुड्डुचेरी में 27, मध्य प्रदेश में 21, झारखंड, छत्तीसगढ और बिहार में 11–11, ओडिशा में 15, जम्मू–कश्मीर और पंजाब नौ–नौ, गोवा में आठ, असम में छह, सिक्किम और तेलंगाना में चार–चार, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड में तीन, मिजोरम में दो और चंड़ीगढ़ में कोरोना के दो सक्रिय मामले हैं।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेताओं के साथ राहुल गांधी की बैठक, गुटबाजी खत्म करने को लेकर दिया निर्देश

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार, 3 जून को पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और 2028 के मध्य प्रदेश चुनावों के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरने के अभियान में हिस्सा लेने के लिए भोपाल पहुंचे। अभियान की शुरुआत से पहले गांधी ने कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक को संबोधित किया और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले एयरपोर्ट पर मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी का गर्मजोशी से स्वागत किया। बाद में गांधी ने भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें प्रभारी महासचिव हरीश चौधरी, एआईसीसी संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल, पटवारी, नाथ, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, एमपी विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार और पार्टी के अन्य नेता मौजूद थे। प्रदेश कांग्रेस इकाई ने बाद में एक बयान में कहा, ष्नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज भोपाल के इंदिरा भवन में आयोजित राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक को संबोधित किया और सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, जानकारी यह भी है कि राहुल ने पार्टी नेताओं से गुटबाजी खत्म करने और मिलकर काम करने की अपील की है। साथ ही यह भी कहा है कि कोई भी फैसला ऊपर से नहीं थोपा जाएगा। आप सब मिलकर फैसला करें और अगर कोई बदलाव की जरूरत होगी तो हम करेंगे। बैठक में पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव और पूर्व सांसद सज्जन वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विवेक तन्खा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह और पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष शोभा ओझा शामिल हुए।

27 जून को फिर से रिलीज होगी रेखा की सुपरहिट फिल्म उमराव जान

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री रेखा की सुपरहिट फिल्म 'उमराव जान' 27 जून से फिर से रिलीज होगी। बॉलीवुड की कई हिट और यादगार फिल्में फिर से सिनेमाघरों में रिलीज की जा रही हैं। अब इसी कड़ी में रेखा की सुपरहिट फिल्म फिल्म 'उमराव जान' भी री–रिलीज होने जा रही है।मिर्जा हादी रुसवा के उपन्यास पर बनी इस फिल्म का निर्देशन मुजफ्फर अली ने किया है। इस फिल्म में रेखा के साथ फारूख शेख,नसीरउद्दीन साह और राज बब्बर ने अहम भूमिका निभायी थी। इस फिल्म के लिये रेखा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया था। मिर्जा हादी रुसवा के 1899 में प्रकाशित उपन्यास पर बनी इस फिल्म का निर्देशन मुजफ्फर अली ने किया है। फिल्म उमराव जान 27 जून सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'उमराव जान' को नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया और नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने मिलकर रिवाइव किया है। फिल्म की री–रिलीज की घोषणा पीवीआर ने इंस्टाग्राम पोस्ट करके की है। अपनी पोस्ट में पीवीआर ने लिखा– नजाकत, मोहब्बत और अमर संगीत की कहानी। देखिए उमराव जान एक बार फिर, शानदार 4के फील के साथ। एक सिनेमाई हीरा जिसे फिर एक बार तराशा गया है। रेखा ने कहा, उमराव जान में मैंने अभिनय भले किया हो, पर वह मेरे भीतर रहती है, मेरे जरिए आज भी सांस लेती है। जब ये फिल्म बनी उस समय, हममें से कोई भी इस फिल्म के समय और काल से परे हो जाने की कल्पना भी नहीं कर सकता था। किसे पता था कि ये फिल्म भारतीय सिनेमा की आत्मा में धीरे–धीरे खुद को उकेर लेगी। इसे बड़े पर्दे पर वापस आते देखना ऐसा है जैसे किसी पुराने प्रेम पत्र को नई पीढ़ी द्वारा खोला जा रहा हो। ये बात करते समय मेरा मेरा दिल भर आया है।" निर्देशक मुजफ्फर अली ने कहा, उमराव जान फिल्म एक खोई हुई संस्कृति, एक भूली हुई तहजीब की आत्मा की यात्रा थी। हमने उस युग की भव्यता को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है, जहां प्रेम और लालसा को लोग कविता में बोलते थे। मेरे पास ऐसे अभिनेता थे जिन्होंने अपने किरदारों में बहुत दम दिखाया, और फिर रेखा थीं, जिन्होंने उमराव जान को जिया और वास्तव में इसे अमर बना दिया।

जम्मू कश्मीर में तीन सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर, एजेंसी। 'देश की सुरक्षा को खतरा' बताते हुए जम्मू कश्मीर सरकार ने तीन सरकारी अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया। केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाले अब तक कुल 80 सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया जा चुके हैं। आज बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में पुलिस कांस्टेबल मलिक इश्फाक नसीर, स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षक एजाज अहमद और श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कालेज में कार्यरत कनिष्ठ सहायक वसीम अहमद खान शामिल हैं। तीनों फिलहाल जेल में है। इन लोगो की बर्खास्तगी संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत की गयी है जो सरकार को स्पष्टीकरण मांगे बिना या किसी व्यक्ति के आचरण की जांच किए बिना ही सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का अधिकार देता है। अधिकारियों ने कहा कि तीनों कथित तौर पर आतंकवादी संगठनों के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे थे और सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमले करने में आतंकवादियों की मदद कर रहे थे।

जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान भी जुमला साबित हुआ : आप

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से 'जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान' का वादा किया गया था वह भी जुमला साबित हुआ। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स कर मंगलवार को कहा, "जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान दिल्ली में भाजपा द्वारा दी गई यह चुनावी गारंटी भी एक जुमला साबित हुई। दिल्ली का मज़दूर, घरेलू कामगार, रिक्शाचालक और दिहाड़ी मज़दूर जिनकी मेहनत से देश की राजधानी चलती है, आज उन्हीं की झुग्गियाँ बेदर्दी से बुलडोज़र के नीचे कुचली जा रही हैं।" श्री सिसोदिया ने कहा कि जिन विधायकों को जनता ने चुना था, वो आज कहाँ हैं? न जवाब मिल रहा है, न ज़मीन पर कोई दिख रहा है। उन्होंने कहा कि झुग्गियों में दी जाने वाली बिजली–पानी जैसी बुनियादी सुविधाएँ तो छोड़िए, अब तो मेहनत से बनाई गई छत भी इनसे छीन ली गई है। क्या यही है "सबका साथ, सबका विकास"? आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कल आरोप लगाया था कि भाजपा की कथनी और करनी में सदा से ही अंतर रहा है। भाजपा ने गरीब झुग्गी वालों से चुनाव से पहले पक्का मकान देने का वादा किया था और अब जब दिल्ली में भाजपा की सरकार बन गई है, तो मकान देने के बजाय उनकी झुग्गियों पर बुलडोजर चलाकर इन गरीब लोगों को घर से बेघर कर रही है।

हरिद्वार जमीन घोटाले को लेकर धामी सरकार की बड़ी कार्रवाई

डीएम-एसडीएम समेत दर्जन भर अधिकारी सस्पेंड

हरिद्वार, एजेंसी।भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पुष्कर सिंह धामी सरकार ने मंगलवार को भूमि घोटाले के सिलसिले में हरिद्वार के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम), उप–विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) और नगर आयुक्त को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यह मामला कथित तौर पर 14 करोड़ रुपये की कीमत वाली जमीन के एक टुकड़े को 54 करोड़ रुपये में खरीदने से जुड़ा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी द्वारा जांच के आदेश के बाद पहली बार सभी वरिष्ठ अधिकारियों को एक साथ निलंबित किया गया। उत्तराखंड प्रशासन के सचिन रणवीर के नेतृत्व में एक जांच के बाद सरकार को एक व्यापक 100–पृष्ठ की रिपोर्ट सौंपी गई, जिसमें दो आईएएस अधिकारियों और एक राज्य सिविल सेवा अधिकारी सहित 12 अधिकारियों को दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद यह अभूतपूर्व प्रशासनिक फेरबदल हुआ। मामले को राज्य सतर्कता विभाग को सौंप दिया गया है, जिसे सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के मामलों की जांच करने का काम सौंपा गया है। भ्रष्टाचार पर अपनी सरकार की ''शून्य–सहिष्णुता'' नीति पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार का दोषी पाए जाने पर किसी भी अधिकारी को, चाहे वह किसी भी पद का क्यों न हो, बख्शा नहीं जाएगा।

धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध होगी होमस्टे सुविधा

योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में उत्तर प्रदेश ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होमस्टे नीति–2025 को मंजूरी दे दी गई। नयी नीति का उद्देश्य राज्य के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को ठहरने की बेहतर और सुलभ सुविधा प्रदान करना है। पर्यटन विभाग के प्रस्ताव के अनुसार, अक्सर देखने में आता है कि प्रमुख धार्मिक या पर्यटन स्थलों पर होटल पूरी तरह से भर जाते हैं, जिससे पर्यटकों को रुकने में परेशानी होती है और इसी समस्या के समाधान के लिए यह नीति तैयार की गई है। लोकभवन के सभागार में आयोजित कैबिनेट बैठक में कुल 11 प्रस्ताव अनुमोदन के लिए रखे गए, जिसमें कैबिनेट ने 10 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की। बीएंडबी एवं होमस्टे नीति–2025 के अनुसार धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में कोई भी व्यक्ति अपने एक से 6 कमरों तक की इकाई को होमस्टे के रूप में रजिस्टर करा सकता है। इसके तहत, अधिकतम 12 बिस्तरों की अनुमति होगी। कोई भी पर्यटक लगातार सात दिन तक इस सुविधा का लाभ उठाते हुए यहां ठहर सकता है। इससे अधिक ठहरने की स्थिति में नवीनीकरण की भी व्यवस्था होगी। अनुमति की प्रक्रिया जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की अगुवाई वाली कमेटी के माध्यम से पूरी की जाएगी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे इकाइयों के लिए 500 रूपये से 750 रूपये तक का नाममात्र शुल्क लिया जाएगा। वहीं, शहरी या सिल्वर श्रेणी के होमस्टे के लिए 2000 रूपये का आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जीवंत सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों के कारण यह राज्य विदेशी एवं घरेलू पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। राज्य में पहले ऐसी कोई नीति न होने के कारण होमस्टे संचालकों को केंद्र सरकार के निधि प्लस पोर्टल पर पंजीकरण कराना पड़ता था। अब राज्य सरकार की इस नई नीति के तहत वे स्थानीय निकायों की अनापत्ति लेकर सरल प्रक्रिया से पंजीकरण कर सकेंगे। खन्ना ने बताया कि इसके अतिरिक्त, इस नीति में आर्थिक प्रोत्साहन और अनुदान की भी व्यवस्था की गई है ताकि राज्य के निवासियों को प्रोत्साहित किया जा सके कि वे अपने घरों को पर्यटन हित में उपयोग करें।

रोटरी इलाहाबाद मिड टाउन ने भेंट की खाद्य सामग्री

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद मिड टाउन ने बेसहारा जानवरों की मदद के लिए कार्य कर रही संस्था सत्यकाम को खाद्य सामग्री व अन्य वस्तुएं भेंट की। क्लब अध्यक्ष राधा सक्सेना के

अनुसार करुणा सिर्फ एक भावना नहीं, एक जिम्मेदारी है। जानवर बोल नहीं सकते, पर उनकी आंखें सब कुछ कहती हैं। कुछ को खाना चाहिए, कुछ को दवा। कुछ को सिर्फ एक कोना चाहिए जहां वे सुरक्षित महसूस कर सकें३। इसी जिम्मेदारी के तहत क्लब ने सहयोग प्रदान किया। राधा सक्सेना, मनु सक्सेना, नीरूज चुग, विनय गोयल, संजीव जैन, शालिनी जैन, राजीव अरोरा समेत सभी सदस्यों ने इस सेवा कार्य में बढ़ चढ़ कर भागीदारी की एवं सहयोग प्रदान किया।

चौथे बड़े मंगल पर जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

प्रयागराज। ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल पर शहर के

हनुमान मंदिरों में सुबह से ही जय श्रीराम व सियावर रामचंद की जय के जयकारे गूंजने लगे। बंधवा स्थित बड़े हनुमान जी मंदिर में महंत बलवीर गिरी ने सुबह छह बजे हनुमान जी की मंगला आरती की, उसके बाद कपाट खुला तो दूरदराज के क्षेत्रों से मनोकामना पूरी होने पर निशान चढ़ाने वालों की लंबी कतार लग गई। हनुमान जी के श्रृंगार का दर्शन करने को सिविल लाइंस स्थित हनुमत निकेतन, दारागंज के संकटमोचन हनुमान मंदिर व हाईकोर्ट स्थित न्यायविद हनुमान मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्त पहुंचते रहे।

जानलेवा हमले का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

प्रयागराज। थाना सरायममरेज की पुलिस ने सोमवार की रात मारपीट व जानलेवा हमले के आरोप में फरार वांछित को पकड़ा। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कुंदौरा तिलकठ तिराहे के समीप शिवशंकर तिवारी निवासी कोट दक्षिण सरायममरेज को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक बांस की लाठी भी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार कोट दक्षिण निवासी कपिल मिश्रा की पत्नी सरिता मिश्रा बीते 25 मई को अपने भतीजे हिमांशु मिश्रा के साथ कुंदौरा निशान दर्शन कर घर वापस लौट रही थी। इसी बीच गांव के समीप रास्ते में आरोपी शिवशंकर तिवारी ने अपने साथी मुकेश यादव व रामप्रकाश यादव और चार अज्ञात लोगों के साथ मिलकर गाली–गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी–डंडे से हमलाकर लहूलुहान कर दिया। पुलिस नामजद मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी थी।

करेली के झुग्गी बस्ती में संदिग्धों की तलाश में जुटी करेली पुलिस

प्रयागराज। शहर में आए दिन चोरी व अन्य आपराधिक घटनाओं को लेकर पुलिस ने संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। करेली पुलिस ने रविवार की देर रात अबू बकर मस्जिद के समीप झुग्गी बस्ती में दबिश दी। पुलिस को देख कई संदिग्ध फरार हो गए। पुलिस ने कइयों के आधारकार्ड की जांच की। थाना प्रभारी राजेश कुमार मौर्या ने बताया कि झुग्गी बस्ती में दर्जनों की संख्या में झारखंड, बिहार व मालदा टाउन के लोग किराये पर रहते हैं। संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त होने की सूचना मिली थी। इसकी जांच के लिए रविवार की रात बस्ती में पुलिस गई थी। हालांकि कई लोग पुलिस टीम को देख भाग निकले। कुछ लोगों से पूछताछ कर सत्यापन किया गया है। वे कब से यहां रहते हैं और क्या काम करते हैं। सूत्रों की मानें तो कई परिवार वर्षों से यहां रहते हुए प्रयागराज का आधारकार्ड तक बनवा चुका है। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी लोगों का सत्यापन किया जाएगा। यदि कोई संदिग्ध मिलेगा तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीआरपीएफ जवान का पहले छीना मोबाइल, फिर खाते से उड़ाए 37 हजार

प्रयागराज। शहर में मोती महल सिनेमा हाल के समीप सीआरपीएफ जवान का बाइक सवार बदमाशों ने पहले मोबाइल छीना और फिर उसके बैंक खाते से 37 हजार रुपये उड़ा दिया। सीआरपीएफ जवान अंशुमान प्रताप सिंह छुट्टी पर रायबरेली अपने पैतृक गांव जाने के लिए ई–रिक्शा से सिविल लाइंस बस अड्डे पर जा रहे थे। कोतवाली पुलिस तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्जकर बदमाशों की तलाश में जुटी है। रायबरेली के टिकठा मुसल्लेपुर निवासी राजेश सिंह के पुत्र अंशुमान प्रताप सिंह वर्तमान में बालाघाट के कोबरा बटालियन में तैनात हैं। 28 मई की भोर में लगभग सवा चार बजे जबलपुर से बस पर सवार होकर रामबाग पहुंचे थे। वह रायबरेली की बस पकड़ने के लिए ई–रिक्शा पर सवार होकर सिविल लाइंस बस अड्डा जा रहे थे। रास्ते में मोती महल के समीप बाइक सवार तीन बदमाश अचानक झपट्टा मारकर अंशुमान का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। उसी दिन दोपहर तक अंशुमान के बैंक खाते से 37 हजार रुपये कटने मैसेज भी आया। अंशुमान प्रताप सिंह ने ऑनलाइन मुकदमा दर्ज कराया। वहीं साइबर थाने में भी अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

जिस पर विकास का जिम्मा, उसी का भवन बदहाल

प्रयागराज। सिविल लाइंस के सुभाष चौराहा स्थित इंदिरा भवन की गिनती शहर के नामचीन इमारतों में होती है। कई दशक पूर्व जब यह बनी थी तो आधुनिक सुविधाओं वाली इकलौती बहुमंजिला बिल्डिंग थी। इसके भूतल पर दुकानें और विभिन्न तलों पर कई सरकारी विभागों के कार्यालय हैं। वर्तमान में इसकी हालत दयनीय हो चली है। जिस पीडीए (प्रयागराज विकास प्राधिकरण) पर पूरे शहर के विकास की जिम्मेदारी है वह अपने ही इंदिरा भवन की सुध लेना भूल गया है। कहने को तो यहां बराबर सफाई होती है, लेकिन सच का नजारा अलग ही है। सीढ़ियों से ऊपर जाने पर दीवारों के कोने में पान मसाला की पीक नजर आएगी।

बेसमेंट में कचरे का ढेर लगा हुआ है। बाहर साइकिल स्टैंड के पास बोरों में भर कर कचरा रखा हुआ है। पूरे परिसर की सुरक्षा भगवान भरोसे है। यहां लिफ्ट तो है लेकिन न लिफ्टमैन दिखते हैं न गार्ड। इंदिरा भवन स्थित कार्यालयों में आने वाले लोगों से बात की गई तो सभी ने विकास प्राधिकरण की कार्यशैली पर उंगली उठाई। बदहाल होते इंदिरा भवन पर चिंता जताते हुए मेंटेनेंस, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की जरूरत बताई। इंदिरा भवन में प्रवेश करते ही सबसे पहले सामना बेसमेंट में जगह–जगह जमा कचरे के ढेर से होता है। बेसमेंट में जिस प्रकार से कचरा जमा है उससे नहीं लगता कि यहां कभी सफाई भी होती होगी। सीढ़ियों से ऊपर जाने पर पान मसाला की पीक दीवारों पर दमदारी से अपनी मौजूदगी दर्शाती है। परिसर में कुत्ते घूमते रहते हैं। शौचालय और मूत्रालयों की दशा बेहद खराब है। जिससे दूर–दूर से यहां विभिन्न कार्यालयों में अपने काम से आए लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। लिफ्ट के पास बाहर साइकिल स्टैंड के बगल गंदगी का ढेर लगा हुआ है। बोरों में भर कर कचरा रखा गया है जिससे उठती दुर्गंध के कारण वहां से गुजरना मुश्किल हो जाता है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की इस बिल्डिंग में उसका कार्यालय भी है। यहां आने वाले लोगों का कहना था कि प्राधिकरण के उच्च अधिकारी यहां बैठते हैं

और उनकी नजर इस पर नहीं है तो यह चिराग तले अंधेरा वाली कहावत को चरितार्थ कर रही है। भवन में मौजूद कार्यालयों के कुछ कर्मचारियों का कहना था कि नगर निगम हाउस टैक्स के नाम पर इंदिरा भवन के सातवें और आठवें तल का 2. 86 लाख रुपये वसूलता है, लेकिन अपनी जिम्मेदारी से बच रहा है। इंदिरा भवन में साफ सफाई से लेकर सभी कार्य पीडीए ही कराता आया है। यहां आने वाले लोगों को इस बात से कोई मतलब नहीं है कि कौन विभाग जिम्मेदार है या कौन अपना रोल नहीं निभा रहा। लोग यहां व्याप्त समस्याओं का निदान चाह रहे हैं। लिफ्ट तो है पर खलती है लिफ्टमैन की कमी इस बहुमंजिला इमारत में लोगों की सुविधा के लिए लिफ्ट तो लगी हैं, लेकिन लिफ्टमैन की कमी लोगों को खलती है। ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले अधिकांश लोग या बुजुर्ग लिफ्ट चलाना नहीं जानते। उन्हें लिफ्टमैन की दरकार होती है। ऐसे लोग जानकार लोगों के आने की प्रतीक्षा करते हैं या फिर सीढ़ियों का सहारा लेकर ऊपर जाते हैं। लोगों का कहना है कि अगर यहां लिफ्टमैन की व्यवस्था कर दी जाए तो लोगों को काफी सहूलियत हो जाएगी। किसी आपात स्थिति या लिफ्ट बंद हो जाने पर लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। काम नहीं करता मेटल डिटेक्टर, सुरक्षा राम भरोसे परिसर में कई जगह मेटल डिटेक्टर लगे हुए हैं जो अब काम नहीं कर रहे हैं। कुछ मेटल डिटेक्टर को अपनी जगह से हटा कर बगल में रख दिया गया है। जहां मेटल डिटेक्टर लगे हुए थे वहां गार्ड की तैनाती भी नहीं है। परिसर की सुरक्षा व्यवस्था राम भरोसे है। कोई भी कुछ भी लेकर यहां बेरोकटोक आ–जा सकता है। लोग चाहते हैं कि यहां की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद हो। साथ ही आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। बेतरतीब लटकी बिजली की केबलें व्यवस्थित की जाएं। बिखरी पड़ी रहती हैं महत्वपूर्ण फाइलें बेसमेंट में महत्वपूर्ण फाइलें बेतरबीब ढंग से बिखरी पड़ी हैं, जिनकी देखरेख या सुरक्षा करने वाला कोई नहीं है। यह फाइलें किस विभाग की हैं, इन्हें यहां किसने और क्यों रखा है, इसे बताने वाला भी कोई नहीं है। लावारिस हालत में पड़ी फाइलों को कोई भी आराम से लेकर जा सकता है। तमाम फाइलें तो खुले में रखे जाने के कारण नष्ट हो चुकीं हैं। शिकायतें – परिसर में चारों तरफ गंदगी पसरी है। बेसमेंट में कचरा जमा रहता है। – यहां लगे लिफ्टों में लिफ्टमैन तैनात नहीं किए गए हैं। – मेटल डिटेक्टर काम नहीं करते, गार्ड भी नहीं दिखते, सुरक्षा व्यवस्था की कमी है। – आवारा कुत्ते परिसर में घूमते रहते हैं और गंदगी फैलाते हैं। सुझाव – सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई जाए, इसकी निगरानी की व्यवस्था हो। – प्रशिक्षित लिफ्टमैनों की तैनाती की जाए, ताकि लोग परेशान न हों। – सभी मेटल डिटेक्टरों को दुरुस्त करा कर महत्वपूर्ण प्रवेश स्थानों पर लगाया जाए। – बेसमेट में डंप फाइलों का निस्तारण हो, शौचालयों की स्थिति सुधारी जाए। हमारी भी सुनें इंदिरा भवन में सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर मेटल डिटेक्टरों को चालू कराया जाए। ताकि सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहे। शौचालयों की दशा सुधारी जाए। –हरी लाल यहां पहले मेटल डिटेक्टर काम करते थे। लोग अंदर जाते समय इनसे होकर गुजरते थे। लेकिन कुछ महीनों से यह काम नहीं कर रहे हैं, सुरक्षा के लिहाज से इनका चलना जरूरी है। –अनुज कुमार बड़ी संख्या में लोग अपने काम को लेकर यहां आते हैं। उन्हें घंटों खड़े रहना पड़ता है। लोगों के बैठने के लिए बेंच आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। सफाई व्यवस्था तो बदतर है। –कृष्ण कुमार लोग विभिन्न कार्यालयों में अपने काम से आते हैं, लेकिन जगह–जगह पसरी गंदगी देखकर लोगों को काफी तकलीफ होती है। सफाई व्यवस्था ठीक होनी चाहिए, जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना होगा। – दया शंकर दुबे यहां कोई भी बेरोकटोक आ–जा सकता है। सुरक्षा व्यवस्था है ही नहीं। मेटल डिटेक्टर भी हटा दिया गया है। यहां इतने कार्यालय होने के बाद इतनी खराब व्यवस्था से तमाम सवाल खड़े होते हैं। – राम बाबू मौर्य पूरा परिसर साफ सुथरा रहे, सुरक्षा और आग से बचाव के पूरे इंतजाम हों। मेटल डिटेक्टरों को ठीक करा कर उन्हें प्रवेश द्वारों पर लगाया जाए। शौचालय और मूत्रालय की हालत सुधारी जानी चाहिए। – मो. आसिफ परिसर साफ सुथरा रहे इसके लिए लोगों को भी जागरूक होना पड़ेगा। सीढ़ियों पर लोग पान खाकर पीक थूक दे रहे हैं। कोई रोकने–टोकने वाला नहीं है। लोगों को भी जागरूक होना पड़ेगा। – इमरान बेसमेंट में गाड़ी खड़ी करने आते हैं तो गंदगी और बदबू से परेशानी होती है। सीढ़ियों की दीवारें पान की पीक से रंगी हुई हैं। जिसे साफ नहीं कराया जा रहा। सफाई व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। – मनोज मिश्र नीचे दुकानें हैं और रोज कूड़ा निकलता है, रोज कितनी भी सफाई की जाए गंदगी बनी रहती है। गंदगी के लिए लोग भी जिम्मेदार हैं। लोगों को भी जागरूक होना पड़ेगा। – राम अवध यादव आवारा कुत्ते परिसर में घमते रहते हैं और जगह–जगह गंदगी कर दे रहे हैं। कचरे को हटाकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जानी चाहिए। आवारा जानवरों की धरपकड़ की जानी चाहिए, ताकि परिसर साफ सुथरा रहे। – मोहन कुम्भ मेला के बाद यहां लगे मेटल डिटेक्टर काम नहीं कर रहे हैं। इन्हें लगाया ही सुरक्षा की दृष्टिकोण से था। अगर मेटल डिटेक्टर खराब हो गए हैं तो उन्हें ठीक करा कर फिर से प्रवेश द्वारों पर लगाना चाहिए। – संजय यादव यहां ऐसे लोग भी बड़ी संख्या में आते हैं जिन्हें लिफ्ट के संचालन की जानकारी नहीं होती। ऐसे लोग या तो किसी के आने का इंतजार करते हैं या फिर सीढ़ियों से आते जाते हैं। लिफ्टमैन की तैनाती जरूरी है। – विजय शर्मा परिसर साफ सुथरा रहे, सुरक्षा के पूरे इंतजाम हों तो यहां आने वाले लोगों को काफी सहूलियत हो। मेटल डिटेक्टर प्रवेश द्वार पर लगें, हर तरफ सीसीटीवी कैमरे से निगरानी हो। – जगदीश प्रसाद लोग अपने काम से यहां आते हैं और यहां गंदगी देखकर उन्हें काफी परेशानी होती है। सफाई व्यवस्था ठीक होनी चाहिए, ताकि लोगों को परेशानी न हो। इमारत के पीछे के भाग को भी दुरुस्त कर पेंटिंग करानी चाहिए। – इं. मिथलेश कुमार

शादी में अचानक तड़तड़ाने लगीं गोलियां, चीख–पुकार के बीच 2 युवक घायल, सामने आई ये वजह

प्रयागराज। प्रयागराज के जयंतीपुर में श्रीराम वाटिका में सोमवार देर रात चल रहे एक विवाह समारोह के दौरान अचानक गोलियां तड़तड़ाने लगीं और चीख पुकार मच गई। विवाद गाड़ी खड़ी करने को लेकर शुरू हुआ था। देखते ही देखते दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसी बीच एक पक्ष की ओर से कई राउंड फायरिंग की गई। गोली लगने से महेंद्र सिंह और राज सिंह घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। इस दौरान पुलिस से लोगों की कहासुनी भी हो गई।

धूमनगंज पुलिस के अनुसार, जयंतीपुर स्थित श्रीराम वाटिका में सोमवार की वैवाहिक समारोह था। वाटिका के पास ही महेंद्र सिंह का मकान है। शादी समारोह की वजह से दर्जनों चारपहिया व दोपहिया वाहन सड़क पर आड़े तिरछे

खड़े थे। वाहन खड़ा करने को लेकर महेंद्र सिंह की शादी समारोह में आए कुछ लोगों से कहासुनी हो गई।

देखते ही देखते दोनों पक्ष के लोग आपस में भिड़ गए। उनके बीच तीखा विवाद शुरू हो गया। इसी बीच एक पक्ष की ओर से तीन–चार राउंड गोली चलाई गई। गोलियों की आवाज सुन शादी समारोह में मौजूद लोगों के बीच चीख–पुकार मच गई। लोग बुरी तरह घबड़ा गए। महेंद्र सिंह के हाथ और ठुड्डी और रवि की पीठ में गोली लगी। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची धूमनगंज पुलिस ने घायलों को एसआरएन अस्पताल भेजा। इस दौरान गोली चलाने वाले पक्ष के कई लोग फरार हो गए। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ और घटना की जांच की जा रही है।

क्या बोली पुलिस

पुलिस ने घायलों को एसआरएन अस्पताल भेजा। गोली चलाने वाले पक्ष के कई लोग फरार हो गए। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ और घटना की जांच की जा रही है।

गीला कूड़ा नहीं देने पर 100 होटल–रेस्तरां को नोटिस

प्रयागराज। शहर के होटल और रेस्तरां से कूड़ा लेना नगर निगम के लिए चुनौती बन गया है। शहर के तमाम छोटे–बड़े होटल और रेस्तरां नगर निगम की एजेंसियों को गीला कूड़ा देने की जगह सड़क पर फेंक रहे हैं। ये वही होटल और रेस्तरां हैं, जिनमें कई ने अपने परिसर में छोटा कूड़ा ट्रीटमेंट प्लांट लगाने का आश्वासन दिया था। प्लांट तो लगाया नहीं और अब कूड़ा सडकों पर फेंक रहे हैं। सड़कों पर कूड़ा फेंकने वाले होटल–रेस्तरां संचालकों को अब नगर निगम ने नोटिस भेजना शुरू किया है। सिविल लाइंस क्षेत्र में ही 100 से अधिक होटल–रेस्तरां संचालकों को नोटिस भेजा गया है। नोटिस उन्हीं होटल–रेस्तरां संचालकों को भेजा जा रहा है, जो गीला कूड़ा सड़कों पर फेंक रहे हैं। नोटिस भेजने के पहले नगर निगम ने होटल–रेस्तरां संचालकों को गीला कूड़ा सड़क पर न फेंककर गाड़ियों को देने के लिए जागरूक किया था। होचल–रेस्तरां संचालक नहीं माने तो नगर निगम ने नोटिस भेजना शुरू किया। सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पांडेय ने बताया कि गीला कूड़ा होटल–रेस्तरां और अस्पताल–नर्सिंगहोम को नगर निगम की गाड़ियों को देना होगा। ऐसा नहीं करने पर अभी नोटिस भेज रहे हैं। इसके बाद कार्रवाई करेंगे।

एयरपोर्ट पर छह एयरोब्रिज तैयार, ट्रायल शुरू

प्रयागराज। प्रयागराज एयरपोर्ट पर हवाई सफर अब और अधिक सुविधाजनक हो गया है। यहां छह नए एयरोब्रिज तैयार हो चुके हैं और उनका ट्रायल शुरू कर दिया गया है। इन एयरोब्रिज की मदद से यात्री अब सीधे टर्मिनल से विमान तक जा सकेंगे, उन्हें न सीढ़ियां चढ़नी पड़ेगी और न ही रनवे पर बस से यात्रा करनी होगी। बुजुर्ग, दिव्यांग और बच्चों के साथ यात्रा करने वालों के लिए यह सुविधा बड़ी राहत वाली है। महाकुम्भ 2025 से पहले योजना तैयार की गई थी, लेकिन समयाभाव और निर्माण कार्य में देरी के चलते केवल दो एयरोब्रिज ही बन पाए थे। अब शेष चार एयरोब्रिजों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। अब कुल संख्या छह हो गई है। महाकुम्भ 2025 के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट पर श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ी थी। यात्रियों को वहां पर बैठने के लिए चेयर नहीं मिल पा रही थी। एक ही दिन में 100 से अधिक फ्लाइट और चार्टर विमानों का संचालन हुआ था। एक दिन 27 हजार से अधिक श्रद्धालुओं का आवागमन दर्ज किया गया था। एयरपोर्ट के पीआरओ कार्तिक ने बताया कि एयरोब्रिज का ट्रायल किया जा रहा है। जल्द ही यह सुविधा शुरू हो जाएगी।

बैंकों की लापरवाही से युवा उद्यमियों की राह मुश्किल

प्रयागराज। बैंकों की लापरवाही के कारण युवा उद्यमियों की राह मुश्किल हो गई है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत पात्रों को आवेदन करने के बाद भी ऋण नहीं दिया जा रहा है। वर्तमान में स्थिति यह है कि आईजीआरएस निस्तारण में पिछड़ने के बाद अगर जिले की सबसे बड़ी कोई समस्या है तो यही है। फिलहाल इस समस्या का निस्तारण जिला प्रशासन करेगा। जिला उद्योग केंद्र की ओर से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत ऋण देने का प्रावधान है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत 21 वर्ष के युवा रोजगार के लिए पांच लाख तक बिना ब्याज के ऋण दिया जाता है। जिला उद्योग केंद्र में आए आवेदनों को अलग–अलग बैंकों में दिया जाता है। इस वक्त कुल 4370 आवेदन अलग–अलग बैंकों के पास भेजे गए। इन आवेदनों में महज 281 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। ऐसे में नए उद्योग के लिए लोगों के पास बजट नहीं रह रहा है।

डीएम कार्यालय से हो सकेगी एसआरएन की निगरानी

प्रयागराज। स्वरूप रानी चिकित्सालय में सीसीटीवी लगाने का कार्य तेज हो गया है। अस्पताल में 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों को डीएम के कार्यालय से भी जोड़ा जायेगा। इससे डीएम भी अस्पताल के गतिविधियों पर नजर रख सकेंगे। अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए सात नए सुरक्षा गार्ड की तैनाती की गई है। हाईकोर्ट की ओर से पहली बार एसआरएन की निगरानी का जिम्मा डीएम को सौंपा गया है। अस्पताल में 96 सीसीटीवी कैमरे और 40 सुरक्षा गार्ड पहले से तैनात थे।

निर्माण उद्योग को नई धार को परखें में एमटेक छात्र

प्रयागराज। एमएनएनआईटी का विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में शैक्षिक सत्र 2025–26 से 'साइबर–फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता वाला नया एमटेक प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, आटोमोबाइल, स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में साइबर फिजिकल सिस्टम के पेशेवरों की तेजी से बढ़ती मांग और इंडस्ट्री 4.0 की आवश्यकताओं के अनुरूप डिजाइन किया गया है। इससे निर्माण उद्योग को नई धार देने वाले विशेषज्ञ तैयार होंगे। जिससे स्मार्ट फैक्ट्रियों में मशीनों के आपसी संवाद (मशीन टू मशीन संचार) और निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बनाकर उत्पादन दर और गुणवत्ता में वृद्धि की जा सकेगी। इसमें कंट्रोल, कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन, मशीन लर्निंग, इंटरनेट आफ थिंग्स (आईओटी), एस्टीमेशन, मल्टी एजेंट रोबोटिक्स सिस्टम्स और आप्टिमाइजेशन जैसे विषयों को समाहित किया गया है।

अब चिकित्सीय उपकरण बनाना और चलाना सीखेंगे एमटेक छात्र

प्रयागराज। एमएनएनआईटी में एमटेक इन मेडिकल डायग्नोस्टिक्स एंड डिवाइस कोर्स शुरू किया जा रहा है, जिसमें छात्रों को चिकित्सीय उपकरणों के डिजाइन, विकास और उपयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा। छात्र चिकित्सीय उपकरणों का उपयोग करना सीखेंगे और उनके अनुप्रयोगों को समझेंगे। इस कोर्स के माध्यम से एमटेक छात्र चिकित्सीय उपकरणों के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए योगदान करेंगे। इस पहल के लिए भारत सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी) की ओर से बायोटेक्नोलॉजी विभाग को तीन करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट मिली है।

लॉज की दीवार तोड़कर पकड़ी बिजली चोरी, मुकदमा

प्रयागराज। राजापुर में एक लॉज (छोटा होटल) में मीटर के पास से केबल काटकर दीवार के भीतर से बाईपास करके चोरी पकड़ी गई। सोमवार को बिजली विभाग की प्रवर्तन टीम ने जब वहां पर जांच की तो मीटर केवल एक किलोवाट का लोड दिखा रहा था, जबकि लॉज में 20 कमरों में कूलर, पंखे और अन्य बिजली उपकरण लगातार चल रहे थे। जिससे अधिकारियों को शक हुआ। अधीक्षण अभियंता मनोज गुप्ता के निर्देश पर कर्मचारियों ने दीवार तोड़नी शुरू की। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दीवार के अंदर से बाईपास की गई केबल का राज खुल गया। पता चला कि केबल को मीटर से पहले काटकर दीवार के अंदर से ले जाकर मीटर के बाद जोड़ा गया था, जिससे सीधे बिजली खपत की जा रही थी। इसके अलावा दो अन्य घरों में भी बिजली चोरी पकड़ी गई। टीम ने जांच के दौरान 52 घरों में स्मार्ट मीटर लगाए और 17 बड़े बकायेदारों की लाइन काटी।

ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया जबलपुर चैप्टर की ओर से शहीदों को नमन करने हेतु काव्य गोष्ठी

जबलपुर। ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया जबलपुर चौप्टर की ओर से महासचिव डॉ शिव शंकर अवस्थी के मुख्य आतिथ्य में और आचार्य भागवत दुबे की अध्यक्षता में एक काव्य गोष्ठी का

आयोजन 30 मई को जबलपुर में किया गया सआयोजन का केंद्र बिंदु पहलगाम के शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के उद्शेय से था सउन्ही शहीदों को नमन करने हेतु काव्य गोष्ठी आयोजित की गई थी सकार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि स्वागत की परम्परा के बाद शशि परिहार की सरस्वती वंदना के साथ हुआस तत पश्चात् जबलपुर चौप्टर की संयोजिका डॉ उषा दुबे ने अवस्थी का शाब्दिक स्वागत करते हुए उद्बोधन दिया अध्यक्ष डॉ सलमा जमाल डॉ चंद्रा चतुर्वेदी डॉ कामना कौस्तुभ राजेश पाठक स्मृति शुक्ल संतोष नेमा शशि परिहार दीपक तिवारी ने एक से बढ़कर एक रचना प्रस्तुत की तथा अपने अपने उद्गार व्यक्त कियेस डॉ एस एस अवस्थी ने संस्कारधानी को संस्कार दानी भी बनने को प्रेरित किया व् लेखन की बारीकियों से अवगत कराया तथा कविता पढ़ी आचार्य डॉ भगवत दुबे ने उद्बोधन के साथ कविता पढ़ी ससञ्चालन दीपक तिवारी दीपक का तथा आभारडॉक्टर कामना कौस्तुभ ने किया।

बलदेव के गांवों में 25 नए तालाब बनेंगे

मानकों के अनुरूप नए खुद रहे तालाब

डी सी मनरेगा और खंड विकास अधिकारी ने नए खुद रहे तालाबों का किया निरीक्षण

मथुरा। बलदेव क्षेत्र के गावों में खुद रहे नए तालाबों का डी सी मनरेगा विजय पाण्डेय और बलदेव खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने निरीक्षण किया। खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने बताया कि ग्राम बंदी, नगला गुखरौली और अमीरपुर में नए तालाब की खुदाई चल रही है जिसका मानकों के अनुसार कार्य

का निरीक्षण डी सी मनरेगा विजय पाण्डेय के साथ जाकर किया।

मौके पर कार्य मानकों के अनुरुप पाया गया। साथ ही बलदेव के गांवों में नए 25 तालाब बनवाने का कार्य अगले दो कार्य दिवस में शुरू हो जाएगा। बलदेव क्षेत्र के गावों के ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव और रोजगार सेवकों को वर्षा ऋतु से पहले ही पूर्व में बने तालाबों की खुदाई करवाने , साफ – सफाई करने तथा तालाबों के पास वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए हैं।

प्रेम प्रसंग में खाया जहर, युवती की मौत, युवक गंभीर

मोरना। क्षेत्र के गांव निवासी युवती ने विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया। किन्तु उसकी मौत हो गयी, वहीं प्रेमी भी अस्पताल मे भर्ती बताया गया है। घटना को लेकर क्षेत्र मे सनसनी फैल गयी है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने रविवार की सुबह विषैले पदार्थ का सेवन उस समय कर लिया जब युवती के परिजन खेतों में काम करने के लिए गए हुए थे जहरीले पदार्थ के सेवन से युवती की हालत बिगड़ने पर आस पड़ोस के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया सूचना पर मौके पर युवती के परिजन भी पहुंच गये। हालत मे सुधार होने पर परिजन युवती को घर ले आये कुछ देर बाद हालत बिगड़ने पर युवती को पुनः अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार युवती की शादी एक माह पूर्व गैर जनपद हुई थी। मामला प्रेम प्रसंग से जुडा बताया जा रहा है। वहीं जहर का सेवन करने वाले क्षेत्र निवासी युवक भी अस्पताल मे भर्ती बताया जा रहा है। युवक गैर जाति का बताया जा रहा है। प्रेमी युगल के द्वारा जहर का सेवन करने व प्रेमिका की मौत को लेकर सनसनी फैल गयी है।

कैंटोनमेंट पूजा एवं सेवा समिति ने चौथे बड़े मंगल पर विशाल भण्डारा लगाया

लखनऊ, संवाददाता। सदर स्थित कैंटोनमेंट पूजा एवं सेवा समिति सन 1980 से लगातार बड़े मंगल का भण्डारा आयोजित करती रही है। जेठ मास के चौथे बड़े मंगल पर भी समिति ने विशाल भण्डारे का आयोजन किया। समिति के अध्यक्ष एस एन पाल ने बताया कि यह एकमात्र ऐसा स्थल है जहां फौजी और सिविलियन मिल कर पूजा पाठ का आयोजन करते हैं। दूर्गा पूजा पण्डाल के अंदर ही तीन मंदिर है जहां सभी पर्व मिल–जुलकर कर मनाए जाते हैं। मीडिया प्रभारी निहार डे ने बताया कि इस बार बड़े मंगल के भण्डारे में पूड़ी सब्जी, बूंदी, हलवा, चना, कढ़ी चावल, अचारी आलू, शरबत और ठंडा पानी वितरित किया गया। समिति के सचिव किशोर डे के साथ बड़ी संख्या में बंगाली परिवार बजरंगबली के भण्डारे में मौजूद रहें।

सुबह से बादल छाए,मौसम बदला

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में मौसम बदला गया है। तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हुई है। सुबह से बादल छाए हुए हैं। आज दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि दिन में आंधी के साथ एक से दो बार हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुकतीर्थ आगमन को लेकर प्रशासन तैयारियों में जुटा

– 11 जून को समनदास जी महाराज के सत्संग में शामिल हो सकते हैं मुख्यमंत्री

मोरना। आगामी 11 जून को शुकतीर्थ स्थित समनदास जी महाराज के सत्संग के दौरान आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दौरा प्रस्तावित है। जिसको लेकर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी दर्जनों गाडियों के काफिले के साथ शुकतीर्थ पहुंचे तथा हैलीपैड, जनसभा स्थल, पार्किंग आदि स्थानों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के शुकतीर्थ आगमन को लेकर प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

प्रसिद्ध तीर्थनगरी शुकतीर्थ में आगामी 11 जून को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का समनदास जी महाराज के सत्संग में भाग लेने का कार्यक्रम संभावित है, जिसको लेकर मंगलवार को सीडीओ कंडारकर कमल किशोर देशबंधु, एडीएम प्रशासन संजय कुमार सिंह, एमडीए उपाध्यक्ष कविता मीणा, एमडीए सचिव कुंवर बहादुर सिंह, एसडीएम जानसठ जयेन्द्र सिंह, तहसीलदार श्रद्धा गुप्ता, एसपी देहात आदित्य बंसल, सीओ भोपा डॉ. रविशंकर मिश्रा, डीपीआरओ धर्मेन्द्र सिंह आदि के साथ शुकदेव आश्रम की हैलीपैड पर पहुंचे, जहां पर उन्होंने हैलीपेड़ का निरीक्षण किया।

इसके अलावा समनदास जी महाराज आश्रम, समाधि स्थल, जनसभा स्थल, भंडारा स्थल, पार्किंग, मुख्य मार्ग व मेले के स्थान का गहनता से निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के अचानक दौरे को लेकर सभी विभाग अलर्ट हो गये हैं। नगरी में सैकडों कर्मचारी साफ सफाई में लगे हुए हैं। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिशासी अभियंता अनिल कुमार राणा, एसडीओ मोनी सिंह आदि मौजूद रहे।

गंगा दशहरा स्नान मेले को लेकर श्रद्धालुओं का तीर्थनगरी पहुंचना शुरू

– एडीएम प्रशासन, सीडीओ व एसडीएम जानसठ ने लिया मेले की व्यवस्थाओं का जायजा

मोरना। पौराणिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में जिला पंचायत के तत्वाधान में आयोजित ज्येष्ठ गंगा दशहरा मेला में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है। विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु कार व बसों में सवार होकर मेले में पहुंच रहे हैं। सुरक्षा के लिए नगरी में जगह–जगह पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि मुख्य स्नान 5 जून को होगा। मेले को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला पंचायत मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में आयोजित ज्येष्ठ गंगा स्नान मेले में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है। मंगलवार को ट्रैक्टर–ट्रॉलियों से अनेक श्रद्धालु तीर्थनगरी में पहुंचे।

श्रद्धालुओं के आगमन से पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया हैं और मुख्य मार्गों पर सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए बैरियर पर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

मंगलवार को सीडीओ कंडारकर कमल किशोर देशबंधु, एडीएम प्रशासन संजय कुमार सिंह, एमडीए उपाध्यक्ष कविता मीणा, एमडीए सचिव कुंवर बहादुर सिंह, एसडीएम जयेन्द्र सिंह ने मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एसडीएम जयेन्द्र सिंह ने बताया कि ज्येष्ठ गंगा दशहरा स्नान मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सफाई व्यवस्था को लेकर नगरी में अनेक कर्मचारी जुटे हुए हैं। नगर पंचायत भोकरहेडी, जानसठ, मीरापुर आदि का सहयोग लिया जा रहा है। वहीं अलग अलग विभागों के कर्मचारियों को व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी कार्यों का स्थलीय तथा गहनता से निरीक्षण किया जा रहा है। मंगलवार को नगरी के मुख्य मार्ग, मुख्य गंगा घाट, नक्षत्र वाटिका आदि स्थानों पर पुलिस द्वारा डॉग स्क्वॉयड के साथ चौकिंग अभियान चलाया। सीओ भोपा डॉ. रविशंकर मिश्रा ने बताया कि मेले के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गये हैं। नगरी के विभिन्न स्थानों को चिन्हित कर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

इस दौरान तहसीलदार श्रद्धा गुप्ता, नायब तहसीलदार ब्रजेश सिंह, राजस्व निरीक्षक सुनील शर्मा, श्री गंगा सेवा समिति के महामंत्री डॉ. महकार सिंह, मैनेजर देंवेंद्र आर्य, सुरेंद्र सिंह, लेखपाल प्रवीण कुमार मौजूद रहे।

मीना बाजार में सजने लगी हैं दुकानें

शुकतीर्थ मेले में मीना बाजार महिलाओं व बच्चों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहता है, जिसमें महिलाएं व बच्चे जमकर खरीदारी करते हैं तथा चाट, आईसक्रीम व फास्ट फूड का आनन्द लेते हैं। मीना बाजार में दुकानदारों ने अपनी दुकानें सजानी शुरू कर दी है।

नए मिल के भूमि पूजन के लिए चीनी मिल मोरना में आ सकते हैं मुख्यमंत्री

क्षेत्र के किसान चीनी मिल मोरना के विस्तारीकरण की मांग वर्षों से उठाते आ रहे हैं, किन्तु अनेक बार घोषणाएं होने के बाद भी अभी तक इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। एडीएम प्रशासन संजय कुमार सिंह ने बताया कि 11 जून को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समनदास जी महाराज के सत्संग में शिरकत करने के लिए शुकतीर्थ पहुंचेगे। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चीनी मिल मोरना के भीतर बने फार्म पर मुख्यमंत्री नए मिल का भूमि पूजन करते हुए जनसभा को सम्बोधित करेंगे। कार्यवाहक जीएम ए.के. संगवार ने बताया कि 275 करोड की लागत से 35000 टीडीसी की क्षमता के नए मिल की डीपीआर चीनी मिल संघ द्वारा शासन को भेजी गई है, जिसके चलते नए मिल के भूमि पूजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चीनी मिल मोरना में भी आ सकते हैं। हालांकि मुख्यमंत्री के आगमन की अभी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

नवयुग में सुंदर काण्ड और भंडारे का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर लखनऊ के प्रांगण मे ज्येष्ठ माह के चतुर्थ बड़े मंगल को संगीतमय सुंदरकांडपाठ एवं भंडारा का आयोजन किया गया। यह आयोजन अहिल्याबाई होल्कर सांस्कृतिक क्लब नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर लखनऊ केद्वारा नवयुग कन्या महाविद्यालय के संस्थापक बाबू दीनदयाल की पुण्यतिथि के अवसर पर किया गया। इस क्लब की संयोजिका प्रोफेसर मंजुला यादव एवं उनकी टीम के सदस्यों द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक विजय दयाल एवं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय द्वारा हनुमान जी एवं बाबू दीनदयाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा दीप प्रज्ज्वलन गौरी गणेश के पूजन से किया गया। इसके पश्चात नवयुग परिवार के सभी सदस्यों द्वारा पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण किया गया। ष्कवन सो काज कठिन जग माहीं जो नहि होत इस चौपाई के संपुष्ट से सुंदर काण्ड का संगीतमय पाठ किया गया। कार्यक्रम के अंत में हनुमान चालीसा एवं भजन का भी सुमधुर गान किया गया। मंडली प्रमुख पुराण प्रवाचक आचार्य अनुराग बाजपेई एवं उनकी टीम के द्वारा सुंदर काण्ड का पाठ किया गया। उनके द्वारा समय समय पर विशेष संबद्ध प्रसंगों की व्याख्या भी की गई जैसे अशोक वृक्ष के प्रसंग में पर्यावरण संरक्षण की ओर सबका ध्यान आकृष्ट किये।इस अवसर पर महाविद्यालय सभी सम्मानित प्रवक्ताएं शोध छात्र– छात्राएं तथा महाविद्यालय की सभी छात्राएं एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। ए. पी सेन महाविद्यालय से डॉक्टर ऊषा पाठक, जवाहरलाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज बाराबंकी से डॉक्टर अर्चना सिंह, लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री कुलदीप नारायण मिश्रा जी पट्टी महाविद्यालय प्रतापगढ़ के प्राचार्य प्रोफेसर अखिलेश पांडे प्रसिद्ध अधिवक्ता हेमंत उपाध्याय, अनीता वाजपेयी,क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी आशुतोष श्रीवास्तव,पी के घोष, प्रोफेसर सिद्धार्थ सिंह, विशाल शुक्ल, डॉ प्रवीण मिश्रा,आदि उपस्थित रहे।

ओवरलोड ट्रांसफॉर्मर में लगी आग, सुबह बहाल हुई सप्लाई

लखनऊ, संवाददाता। कटनी के कमता पावर हाउस क्षेत्र के विमल नगर मोहल्ले में बीती रात एक बड़ा हादसा हो गया। 2 से 3 जून की आधी रात करीब 12.30 बजे शिव मंदिर के सामने लगे ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। ट्रांसफॉर्मर ओवरलोड होने की वजह से आग लगी। जब आग की लपटें तेज होने लगीं तो लोगों ने बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

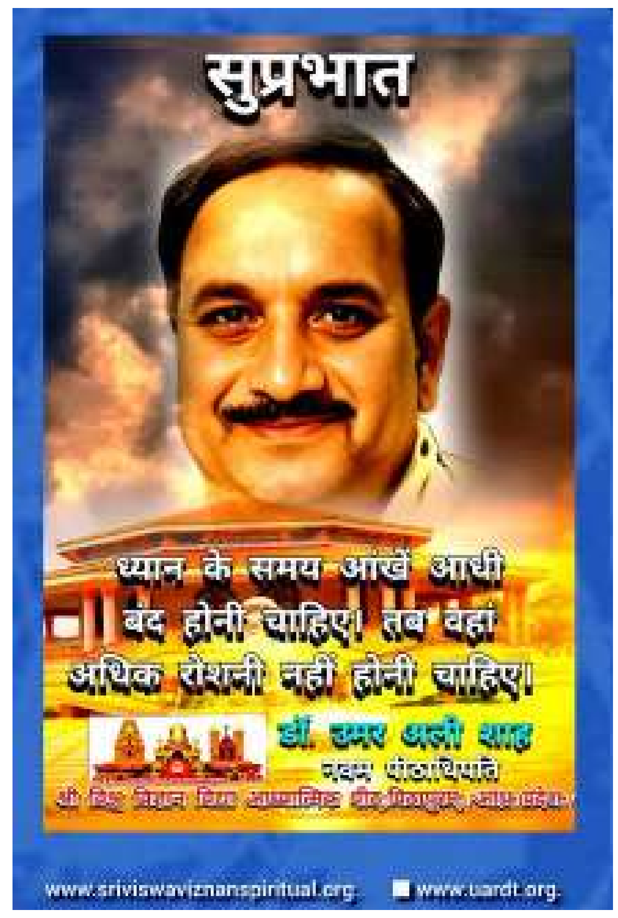

रहे नदी में नीर

(कुण्डलिया)

मानव जीवन के लिए, है यह बात शहीर।
हरियाली ज़िन्दा रहे, रहे नदी में नीर।
रहे नदी में नीर, हमेशा कल कल करता।
मौसम का हर गीत, हमेशा गाता रहता।
सुन लो कहें प्रदीप,न बनना लोभी दानव।
प्रकृति हरेगी कष्ट, हँसेगा हरदम मानव।।

बादल दिखते हैं नहीं, बारिस का है माह।
गर्म हवाएँ रोकती, हरियाली की राह।
हरियाली की राह, हमेशा सुख है लाती।
धरती का बन प्राण, जगत को हरदम भाती।
सुन लो कहें प्रदीप, छोड़कर सारे छलबल।
पौध लगाओ पाँच, दिखेंगे फिर से बादल।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

इदुलजुहा की नमाज़ के समय की घोषणा, शान्ति पूर्वक मनाने की अपील

मोरना। आगामी शनिवार को इदुलजुहा का पर्व मनाया जायेगा। जिसकी तैयारियां शुरू हो गयी हैं। भोकरहेड़ी मे धार्मिक विद्वानो ने मीटिंग कर ईदुलजुहा की नमाज़ के समय को निर्धारित करते हुए त्यौहार को शान्ति पूर्वक मनाने की अपील की है। कस्बा भोकरहेड़ी स्थित मदरसा इजहारूल उलूम के उपप्रबंधक मौलाना फरमान ने जानकारी देकर बताया की कस्बे की मस्जिदों के इमाम हज़रात व मदरसों के ज़िम्मेदार व्यक्तियों की एक मीटिंग ईदुल अजहा की नमाज के समय को लेकर की गयी थी। शनिवार की सुबह 6रू30 बजे ईदुल अजहा की नमाज कस्बा स्थित ईदगाह मे अदा की जायेगी। जिसकी घोषणा सभी मस्जिदों मे की जायेगी। त्यौहार को शान्ति पूर्वक मनाने मे प्रशासन का सहयोग करने, कुरबानी के दौरान पूर्ण रूप से स्वच्छता अपनाने,प्रतिबंधित जानवरो की कुरबानी ना करने, ईदगाह मे जाने के लिए अनावश्यक रूप से वाहनो का प्रयोग करने,वाहनों के हॉर्न तेज न बजाने, रास्तो व मुख्य चौराहों पर खडे न होकर उचित आदर्श स्थानों पर बैठने व कुरबानी के जानवरो को लेकर अनावश्यक बहस आदि न करने की अपील आवाम से की जा रही है। क्षेत्र के सबसे बड़े मदरसे कासिमुल उलूम तेवडा के प्रबंधक मुफ़्ती बिन यामीन ने बताया की तेवडा ईदगाह मे ईदुल अजहा की नमाज शनिवार की सुबह 6रू45 पर अदा की जायेगी। त्यौहार को पुर सकून माहौल मे मनायें, अमन शान्ति के साथ स्वच्छता का एक पैगाम दें। जौली ग्राम प्रधान मौ साजिद ने बताया की गांव मे सुन्नी समाज के लोग सुबह 7रू15 व शिया समाज के साहेबान 8रू30 बजे नमाज अदा करेंगे। इसके अलावा नंगला बुजुर्ग के ग्राम प्रधान अंजुम ने बताया की नमाज सुबह 7रू00 बजे अदा की जायेगी, प्रधान डॉ. मौ.उस्मान ने बताया की रुडकली मे ईदुल अजहा की नमाज सुबह 7रू15 बजे अदा की जायेगी, मौलाना मुमताज़ ने बताया की मोरना मे ईद की नमाज़ सुबह 7रू15 बजे अदा की जायेगी। इसके अलावा सीकरी, बेलडा,भोपा,तिस्सा, ककरौली,चौरावाला, टंढेडा, खेड़ीफिरोजाबाद, कमहेड़ा, ढांसरी,जटवाडा, खुजेड़ा की ईदगाह मे नमाज के समय को निर्धारित किया जा रहा है।

खानम आर्ट गैलरी की प्रतियोगिता श्रृंखला में लोककला प्रतियोगिता एवं अरेबिक कैलीग्राफी कला प्रतियोगिता संपन्न

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी करेली प्रयागराज में आज लोक कलाओं के प्रोत्साहन हेतु निःशुल्क लोककला प्रतियोगिता एवं अरेबिक कैलीग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लोककला प्रतियोगिता के निर्णायक मंडलम में राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के सुविख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं प्रख्यात कलाकार तलत महमूद रहे। कैलीग्राफी प्रतियोगिता के निर्णायक मशहूर कलाकार तलत महमूद एवं मुसाब आदिल रहे। मुसाब आदिल ने कैलीग्राफी की लाईव डेमोंसट्रेशन भी दिया। खानम आर्ट गैलरी की निदेशक डॉ ज़ाहेदा खानम ने बताया कि ग्रीष्मकालीन एक माह की गैलरी कलेक्शन कला प्रदर्शनी के साथ–साथ ग्रीष्मकालीन कार्यशाला और भविष्य में विभिन्न कला प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है जिससे छुट्टियों में उभरते कलाकारों को प्रोत्साहन मिल सके और वे भविष्य में अच्छे कलाकार बन सकें। इसके पूर्व ख़ानम आर्ट गैलरी में अंब्रेला डेकोरेशन एवं मेहंदी प्रतियोगिता, पाककला प्रतियोगिता, केक मेकिंग, पेपर क्राफ्ट, क्ले मॉडलिंग तथा आर्ट एड क्राफ्ट प्रतियोगिताएं हो चुकी हैं जिनका पुरस्कार वितरण और सम्मान समारोह गैलरी कलेक्शन चित्रकला प्रदर्शनी के समापन समारोह में 15 जून को होगा।

सम्पादकीय........

पढ़ने की उम्र में जुर्म

हिसार में सहपाठी द्वारा प्रतिशोध में कक्षा दस के एक छात्र की गोली मारकर की गई हत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। एक साल पहले स्कूल में डेस्क पर बैठने को लेकर विवाद की खुंदक आरोपी छात्र अपने दिमाग में पालता–पोसता रहा। फिर एक दिन सहपाठी को सुबह मिलने के बहाने बुलाया और अपने दादा के हथियार से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बेहद दुखद है और हर मां–बाप के लिये बेहद चिंता का विषय कि उनके बच्चे का सहपाठी भी इतना खूंखार हो सकता है। हमारे जिस समाज की प्यार, सामंजस्य व सहयोग के लिये मिसाल दी जाती थी, उसमें ये किशोर आखिर ऐसा भयानक कदम कैसे उठा रहे हैं? जिस उम्र में किशोरों को पढ़ना–लिखना था, उस समय में वे हिंसक गतिविधियों में क्यों लिप्त हो रहे हैं? दोषी तो आरोपी छात्र के अभिभावक भी हैं कि जिन्होंने घातक हथियार को लापरवाही से घर में छोड़ा, जिससे आरोपी ने हत्या को अंजाम दिया। बताते हैं कि आरोपी छात्र के दादा सेना से सेवानिवृत्त हैं और एक बैंक में सुरक्षा गार्ड हैं। कितनी दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि मृतक छात्र अपने परिवार में इकलौता था और अपने परिवार को हमेशा के लिये रोता–बिलखता छोड़ गया। एक समय अमेरिका व यूरोप में ऐसी घटनाएं सुनने में आती थी। अब ये किशोर अपराध हमारे दरवाजों पर भी दस्तक देने लगे हैं। समाज में व्याप्त नकारात्मकता व हिंसक प्रवृत्ति का किशोरों द्वारा अनुकरण करना हमारे समाज के लिये खतरे की घंटी ही है। बीते मार्च में दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक छात्र की ऐसी ही निर्मम हत्या हुई थी। वजीराबाद की घटना में एक नौवीं के छात्र का अपहरण करके उसके परिजनों से दस लाख की फिरौती मांगी गई थी। छात्र की हत्या के बाद जांच में पता चला कि उसके अपहरण व हत्या में तीन किशोर संलिप्त थे। आए दिन स्कूल–कालेज विवाद में हिंसक घटनाएं हमें परेशान करती हैं। यदि कम उम्र के बच्चों व किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रतिशोध की प्रवृत्ति पर लगाम न लगी तो डर लगता है कि आने वाले समय में हमारे समाज का स्वरूप कैसे होगा। सवाल यह है कि आखिर किशोरों में आपराधिक प्रवृत्तियां क्यों पनप रही हैं। आखिर उन्हें मां–बाप का संघर्ष क्यों नहीं दिखायी देता कि वे कैसे उन्हें पाल–पोस व पढ़ा–लिखा रहे हैं? समाज विचार करे कि वे कौन से कारक हैं जो बच्चों को आपराधिक प्रवृत्ति का बना रहे हैं। उनके द्वारा ऐसे जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिये जिम्मेदार प्रवृत्ति का स्रोत क्या है? ऐसे बच्चों में कानून का भय क्यों नहीं है? कभी लगता है कि हमारे जीवन का हिस्सा बने तकनीकी साधन बच्चों के विवेक पर आक्रमण कर रहे हैं। जिससे उनमें सही–गलत की सोच की प्रक्रिया बाधित हो रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म, वेब सीरीज तथा इंटरनेट में व्याप्त आपराधिक कार्यक्रम उन्हें हिंसक बना रहे हैं। जिससे वे बेलगाम सपनों के संजाल में भी फंसते हैं, जिन्हें पूरा करने को वे हिंसक राह पर उतर जाते हैं।

प्रधानमंत्री भाजपा के लाभ के लिए कर रहे हैं ऑपरेशन सिंदूर का इस्तेमाल

नित्य चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री चाहते हैं कि देश में यह युद्धोन्माद जारी रहे ताकि बिहार में होने वाले आगामी चुनावों और उसके बाद बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में होने वाले चुनावों में भाजपा को राजनीतिक लाभ मिल सके।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री द्वारा उनके और उनकी सरकार के खिलाफ किये गये क्रूर हमलों का जवाब देते हुए सही कहा कि नरेंद्र मोदी 2026 की शुरुआत में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा के लिए सस्ते राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह 10 मई को भारत–पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम समझौते के बाद प्रधानमंत्री की पक्षपातपूर्ण राजनीति के खिलाफ पहला ऐसा स्पष्ट हमला था, जिसके तहत वह अपने चुनाव उन्मुख भाषणों के माध्यम से पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की सफलता को भाजपा के लिए राजनीतिक लाभ में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले बीस दिनों में, यानी 10 मई से, विपक्षी दलों ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को अपना पूरा सहयोग दिया और यहां तक कि प्रधानमंत्री द्वारा भारत की स्थिति को समझाने के लिए विदेशों में भेजे गये बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों में भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उस समय राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता की बात की थी और भारत की हर राजनीतिक पार्टी ने इस पर अनुकूल प्रतिक्रिया दी थी। परन्तु विपक्षी राजनीति पार्टियों के उस प्रशंसनीय सहयोग के बदले, भारत के 142 करोड़ लोगों के नेता प्रधानमंत्री ने पिछले दो हफ्तों में अपनी सार्वजनिक बैठकों का इस्तेमाल विपक्ष को बदनाम करने और ऑपरेशन सिंदूर को भाजपा के अन्य ऑपरेशन जैसे ऑपरेशन बंगाल के साथ जोड़ने के लिए किया। जरा सोचिए, गुरुवार दोपहर पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में आयोजित जनसभा में, राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी में रैली में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की तरह ही टीएमसी सरकार को उखाड़कर बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए ऑपरेशन बंगाल का आयोजन किया जायेगा। भाजपा प्रमुख को राजनीतिक रैली में टीएमसी सरकार को उखाड़ फेंकने की बात करने का पूरा अधिकार है, लेकिन वे ऑपरेशन सिंदूर को अखंड भारत के कार्यक्रम के साथ बंगाल में भाजपा के पक्षपातपूर्ण उद्देश्य के साथ मिला रहे थे। वह भी राष्ट्रीय एकता के तथाकथित प्रतीक नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में। विपक्षी नेताओं को अब तक यह समझ आ गया होगा कि प्रधानमंत्री यह कहकर अपना राजनीतिक खेल खेल रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर रुका हुआ है और कभी भी यह फिर से शुरू हो सकता है। यह एक सैन्य रणनीति है और इसका ऐलान सार्वजनिक रैलियों में नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि देश में यह युद्धोन्माद जारी रहे ताकि बिहार में होने वाले आगामी चुनावों और उसके बाद बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में होने वाले चुनावों में भाजपा को राजनीतिक लाभ मिल सके। हाल के दिनों में बिहार और गुजरात में जिस तरह से उनके रोड शो आयोजित किये गये हैं, उससे यह बात बिल्कुल साफ है।ममता ने गुरुवार को प्रधानमंत्री की जनसभा के दो घंटे बाद उन्हें जवाब देते हुए सही कहा, श्मोदीजी ने आज जो कहा, उससे हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि प्रधानमंत्री की आवाज सुनकर बहुत दुखी भी हैं, जब सभी विपक्षी नेता दुनिया के सामने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वे देश के हित, राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए साहसिक निर्णय ले रहे हैं। हम देश की रक्षा करेंगे, क्योंकि यह हमारी मातृभूमि है। लेकिन क्या यह समय है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मौजूदगी में उनके मंत्री कहें कि वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल भी करेंगे? मैं उन्हें चुनौती देती हूं। अगर उनमें हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं और बंगाल आपकी चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है। वरिष्ठ विपक्षी नेता द्वारा प्रधानमंत्री को इस तरह का जवाब देना जरूरी था, क्योंकि नरेंद्र मोदी भारत–पाक तनाव के मौजूदा दौर में इंडिया ब्लॉक के घटकों की विनम्रता का फायदा उठाते हुए विपक्ष के खिलाफ पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। विपक्ष ने प्रधानमंत्री को काफी छूट दी है, लेकिन उन्होंने उसका सम्मान नहीं किया है। अब समय आ गया है कि विपक्ष सामान्य रूप से काम करना शुरू करे और संसद का विशेष सत्र बुलाकर स्थिति पर चर्चा करे तथा कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगे, जिनका अभी तक उत्तर नहीं मिला है।जैसे ममता ने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि– 22 अप्रैल को पहलगाम में नरसंहार करने वाले आतंकवादियों को अभी तक क्यों नहीं पकड़ा गया है? या प्रधानमंत्री ट्रंप और अन्य अमेरिकी अधिकारियों के लगातार इस दावे पर चुप क्यों हैं कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान को व्यापार की धमकी देकर युद्ध विराम पर सहमति ली है। यह भारत के लिए अधिक था, क्योंकि 10 मई की सुबह भारत जीत रहा था। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने 9 मई को प्रधानमंत्री से क्या कहा? क्या उन्होंने ट्रंप द्वारा दी गयी धमकी को व्यक्त किया? अमेरिकी व्यापार विभाग ने भी अदालत में यही बात कही है। उनके पास अवश्य ही इसका रिकॉर्ड होगा। प्रधानमंत्री को अपना बयान जारी करके इसका स्पष्ट खंडन करना चाहिए। वे चुप क्यों हैं और दूसरों को बोलने क्यों दे रहे हैं? ये मुद्दे अब सरकार के सामने रखे जाने चाहिए। चूंकि प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों सहित राष्ट्रीय एकता को बनाये रखने की लक्ष्मणरेखा पार कर ली है, इसलिए अब इंडिया ब्लॉक की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं है कि वह प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार चले। उन्हें ममता का अनुसरण करना चाहिए।ममता ने एजेंडा तय कर दिया है। अब समय आ गया है कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियां चर्चा करें और असली विपक्ष की तरह व्यवहार करना शुरू करें। बस बहुत हो गया।

बोनस (कहानी)

गीतकार मनोहर सिंह चौहान मधुकर, जावरा

आजकल संभ्रांत परिवारों के विवाह हित सुशील और संस्कार वान लड़के और लड़कियां मिलना मुश्किल हो रही है। तो यह देख सुरेश ने विजय से कहा तू शादी विवाह करेगा की नही।

विजय निश्वास भरते हुए कहा लड़की मिले तो करें न

सुरेश क्या इतनी कमी है तुम्हारे समाज में।

विजय हां है तभी न। कुछ साल पहले तक ऐसी कोई परेशानी नहीं थी। मगर अब

सुरेश अब का क्या मतलब।

विजय मतलब ये की हमारे बड़े बूढ़ों ने पहले बहुत दान दहेज मांगा तो परेशान होकर गरीब मां बाप ने अपनी बेटियों को धर्म में दीक्षा दिला दी। कुछ लड़कियां पिता परिवार की हालत देख स्वयं धर्म की शरण में चली गई।

सुरेश कोई बात नही। तू कहे तो मैं कुछ करू।

विजय हां हां क्यों नहीं,जरूर कर कोशिश।

सुरेश अपने काम धंधे के अतिरिक्त अन्य सामाजिक धार्मिक बोधिक गतिविधियों में लिप्त रहता था तो उसकी अपने समाज के अलावा अन्य समाज में भी अच्छी पकड़ थी।

एक दिन सुरेश को बेठे बेठे ख्याल आया कि उसके शहर में जो हुआ उस पर अमल कर विजय को खुशियां दी जा सकती हैं। ये विचार आते ही सुरेश के चेहरे पर मुस्कराहट आ गई किंतु दूसरे ही क्षण गायब भी हो गई, ये सोचकर की विजय या उसका परिवार मेरा प्रस्ताव स्वीकार करेगा या नही।

रविवार के दिन सुरेश विजय के घर पहुंच गया,

सुरेश विजय चल कही घूमकर आते हैं।

विजय कहां । बता तो सही।

सुरेश तू तो ऐसे घबरा रहा है जैसे तू लडकी हो।

विजय अरे ऐसा नहीं है पर ये मालूम तो हो की कहां

सुरेश मुझे भी नही पता,बस ये पता है कि तुझसे तेरे भले की बात करनी है।

विजय तो आ घर में यही कर लेते हैं।

सुरेश नही। बात बाहर ही कही सुनी जाने लायक है।

विजय अच्छा भई। चलते है।

सुरेश विजय को लेकर पास के एक गांव में पहाड़ी पर माताजी के मंदिर ले गया। जहां पर माता के दर्शन और मन की बात भी हो जाएगी।

सुरेश ने माताजी के दर्शन करने के बाद आम के पेड़ के नीचे बैठकर विजय को अपने मन की बात बताई।

विजय बोला अरे तू पागल तो नहीं । मुझे दो बच्चों बाली मां से शादी विवाह करने को कह रहा है ।मुझे नहीं करनी। मैं कुंवारा ही ठीक हूं। मेरे यार दोस्त समाज वाले रिश्तेदार क्या कहेंगे। ओर सुन मैं हां कर भी लूं तो क्या मेरे बुजुर्ग माता पिता मानेंगे। तेरा प्रस्ताव मुझे तो स्वीकार नहीं है ।कोई अच्छा प्रस्ताव होता तो मैं मान भी लेता।

सुरेश विजय तू भी पुरानी मानसिकता का हैं। सुन आज की हकीकत जिसे रिश्ते नहीं मिलते है न वो ऐसा भी करते हैं।

मेरे पीछे वाली कालोनी के एक सज्जन ने अपनी कुंवारी लड़की की शादी बैंगलोर के ब्राह्मण परिवार में कर दी जबकि उस व्यक्ति के दो लडके और एक लडकी हैं सब 16,20,ओर 22 साल उम्र के है। पिता ने सोचा पैसे वाला परिवार है लडकी खुश रहेगी,ओर किसका घर बस जाएगा। सोच ले गंभीरता से तेरे माता पिता को मैं समझा लूंगा। तेरी हां चाहिए। जिसकी मैं बात कर रहा हूं वो लड़की को मार कूट से मुक्ति मिल जाएगी और तुझे पत्नी। विजय तू मुझे अच्छी तरह से सोच समझकर जवाब देना,मम्मी पापा से मैं कर लूंगा।

आठ दस दिन बाद विजय ने सुरेश को फोन किया बोला कहा हो आ जाओ कुछ बात करनी है।

सुरेश फोन पर ही बता न क्या बात है गोपनीय हैं क्या।

विजय तू बस घर आजा यही चाय पियेंगे और बाते गप्पे सप्पे भी कर लेगे।

सुरेश शाम को आता हूं अभी व्यस्त हूं।

विजय ठीक है शाम को इंतजार रहेगा।

शाम सात बजे सुरेश और मोहन विजय के घर पहुंचते हैं। ये सोचकर की अगर वो अपने विवाह की बात से ना नकुर करता है तो उसे समझाने में मोहन भी मदद करेगा ताकि विवाह शादी की झांकी जम जाए।

विजय सुरेश का इंतजार कर ही रहा था उसने मोहन को आया देख व्यवहारिकता में चाय पानी का पूछा और बतियाने लगा।

सुरेश विजय पहले ये बताओ की तूने किसलिए मुझे बुलाया है।

विजय बस ऐसे ही बैठकर बाते करेगे।

सुरेश सच बता भी दे। क्या तुझे मेरा प्रस्ताव मंजूर है।

विजय कोनसा।

सुरेश नादान मत बन। वो शादी वाली बात।

विजय नही जबकि विजय ने सुरेश को अपनी हां कहने को ही बुलाया था। मगर मोहन को देखकर नही कह गया।

मोहन अरे मुझे भी मालूम हो कहां किससे शादी हो रही है। भाई बधाई विजय।

विजय अरे मोहन ऐसी कोई बात नही है। शादी करेगे तो तुझे भी निमंत्रण देगे न।

मोहन कब करेगा यार 35,40 का बूढ़ा तो हो गया है। देख मेरे दो बच्चे और तेरे इस यार के तीन बच्चे। कर ले,जल्दी कर वरना बहार चली जाएगी।

सुरेश विजय अब भी सोच समझकर बता दें। क्या निर्णय है तेरा। मेरी ओर से सब रेडी हैं बस तेरी हां की देर है।

विजय मोहन और सुरेश की बात सुनकर थोड़ी देर चुप रहा फिर बोला।

विजय सुरेश हां मैं त्यार हूं। मगर

सुरेश मगर क्या

विजय पापा मम्मी

सुरेश अरे इत्ती सी बात

सुरेश उठकर अंदर पापा मम्मी से बात करने पहुंच गया।

योग से पापा मम्मी दोनो कुछ बातें कर ही रहे थे की सुरेश ने पूछ लिया आप विजय की शादी कब कर रहे हो ।इस सवाल पर

मम्मी पापा दोनो एक साथ बोल पड़े लड़की नही मिल रही हैं।

सुरेश लडकी मिल गई समझो आप बताएं की आपको मेरा प्रस्ताव मंजूर है की नहीं ।सुरेश ने दोनो को अपना प्रस्ताव अच्छे से बता दिया और क्यों कर लेना चाहिए ये भी बताया इस पर मम्मी पापा बोले बेटा सुरेश शादी उसे करना है अगर उसकी हां हैं तो हम दोनो को कोई आपत्ती नही है। उसे कह देना हम तैयार है।

बात बन गई कहता उछलता कूदता आगे आकर विजय मोहन को बताया मम्मी पापा त्यार है।

अब बजने दो शहनाई।

यह सुन विजय और मोहन के चेहरे पर मुस्कान खिल गई।

सुरेश विजय और मोहन ने मिलकर ये निश्चय किया की सोनवार को कोर्ट मैरिज कर किसी होटल में कुछ ख़ास खास को बुलाकर शादी की पार्टी कम जाए।

विजय सुरेश प्रस्ताव तेरा है अब तूं ही सारी व्यवस्था करेगा और दोस्तो में किसे बुलाना वो काम मोहन को अपन तो बस दूल्हे राजा रहेंगे। कहकर हसने लगा।

शादी के बाद आज विजय ओर शशि ने सुरेश और मोहन को विशेष रूप से भोजन हेतु निमंत्रित किया।

भोजन करते वक्त तीनों दोस्तों की बाते हसी मजाक होती रही। तभी मोहन ने विजय से पूछ लिया बोनस कहा है।

विजय समझ नही पाया।

विजय बोनस क्या मैं समझा नहीं।

मोहन विजय को बोला बुद्धू दोनो बच्चे कहा है।

विजय ओह अब समझा यार गुड्डी तो ट्यूशन पर गई है और प्रिंस ग्राउंड पर होगा ।क्रिकेट खेलने गया है।

शशि जी सुरेश की अच्छी तरह से जानती थी उसने सुरेश को कहा

शशि भैया आपने इनसे मेरा रिश्ता करा कर बड़ा पुण्य कार्य किया है।

सुरेश शशि वो केसे।

शशी वहा तो बहुत मार खाई दुख देखा अब मुझे उस दुख के बदले जो बोनस मिला है मैं इनसे बहुत खुश हूं। मैं आपका ये उपहार कभी नही भूलूंगी।

सुरेश शशि ऐसी कोई बात नही दोस्त ही दोस्त के काम आता है।

तुम्हे जो बोनस मिला उसकी बहुत बहुत बधाई।

प्रकृतिः पुण्य है, पूज्य है, नम्य है– पर्यावरण दिवस विशेष

डा. संगीता बनाफर
अध्यक्ष, विश्व हिंदी परिषद
शैक्षणिक प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़

प्रकृति, अपने सुमन, सुगंध, सौंदर्य, समीर, नीर, आधार, अनाज और प्रकाश आदि के साथ, हमारे जीवन को हर पल सरल ,सुंदर, सुव्यवस्थित बना हमें प्रेरणा और प्रसन्नता दे स्वार्गिक आनंद प्रदान करती है। कल्पना कीजिए, यदि सूर्य न हो, धरती न हो, वृक्ष न हों, वायु न हो, जल न हो, तो यह सृष्टि कैसी होगी? सृष्टि के बिना जीवन संभव ही नहीं है।

क्या कभी सूर्य ने अपने प्रकाश के बदले हमसे कुछ मांगा? क्या चंद्रमा ने अपनी शीतलता के लिए, वायु ने सांस देने के लिए, जल ने जीवन देने के लिए, वृक्षों ने ऑक्सीजन, फल और छाया देने के लिए, धरती ने आधार और अनाज देने के लिए, या फूलों ने सुगंध देने के लिए हमसे कुछ भी मांगा है? हम जानते हैं कि हम घरों में बिजली और पानी जैसी सुविधाओं के लिए मासिक बिल चुकाते हैं, जो कभी–कभी काफी भारी हो जाता है। लेकिन प्रकृति समूचे विश्व को ये सभी सुविधाएँ बिना किसी मूल्य के देती है, साथ ही हमें ऊर्जा और ऊष्मा से भी भर देती है।

प्रकृति का अनुपम सामंजस्य–

हम प्रकृति के अद्भुत तालमेल और समन्वय को देखते तो हैं, किंतु उस पर गहराई से विचार नहीं करते। प्रकृति के सभी तत्व कितने सामंजस्य से अपना कार्य करते हैं। दिन और रात होते हैं, जल धरती को सिंचित करता है और नदियों व समुद्रों को खाली नहीं होने देता।वायु अपनी गति में बहता रहता है। धरती हम सबको साथ में थामे रखती है प्रकृति के सभी तत्व स्वयं में परिपूर्णता से अपना कार्य करते हैं, बिना किसी प्रतिद्वंदिता और प्रतिस्पर्धा,, बिना एक–दूसरे को नुकसान पहुँचाए एक दूसरे की आकांक्षाओं को परिपूर्णता प्रदान करते हैं। इसी सामंजस्य से सृष्टि चलती है।

सृष्टि का यह सामंजस्य हमें यह संदेश देता है कि हम सबका अपना व्यक्तित्व और अपनी कार्यक्षमता है। यह संसार केवल हमारे लिए नहीं बना है। जलचर, थलचर, नभचर दृ सभी हमारे अनुरूप कार्य नहीं करेंगे। तालमेल और समन्वय की गति से ही हम संतोषपूर्वक रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रहने दे सकते हैं। ईश्वर ने हमें भी कुछ कार्य देकर भेजा है। हमें अपने कार्यों को संपादित करना चाहिए, किसी और के कार्य में बाधा नहीं डालनी चाहिए और उनकी कमी–बेशी नहीं निकालनी चाहिए। किंतु हम ऐसा सोचते नहीं हैं। सब स्वतंत्र रूप से अपना कार्य करें और हम उसे कार्य को सहर्ष स्वीकारें।

मानव और प्रकृति का विरोधाभास–

आज हम मानव अपनी भव्यता और धन–वैभव के लिए प्रकृति से लगातार छेड़छाड़ कर रहे हैं। वृक्षों की कटाई हो रही है, जल का दुरुपयोग हो रहा है, और वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। इंसान की पहुँच अभी आकाश, सूरज और चांद तक नहीं है, अन्यथा वह उन्हें भी नुकसान पहुँचा देता।

यह मुहावरा बिलकुल सही है कि षजिस थाली में खाते हैं, उसी थाली में छेद करनाष। हम सब भी वही कर रहे हैं। जिस सृष्टि ने हमें केवल दिया ही दिया, उसे ही हम नष्ट करने में लगे हुए हैं।

प्रकृति का क्रोध और हमारा कर्तव्य–

एक पंछी दूर–दूर तक जाकर तिनका–तिनका जोड़कर घोंसला बनाती है। जाने कितना ही परिश्रम और मनोयोग लगाकर वह एक घोंसले को आकार देती है, जो हमें प्रेरणा और प्रसन्नता दोनों देती है। यह प्रेरणा और प्रसन्नता सृष्टि के हर तत्व में विद्यमान है। निश्चित ही सृष्टि ने बहुत परिश्रम किया होगा और अपनी सारी शक्ति व मनोयोग लगाया होगा, तब इस प्रकृति का निर्माण संभव हुआ होगा।

ठीक वैसे ही, हम अपने एक परिवार के सभी सदस्यों के रखरखाव, शारीरिक सुख–सुविधाओं के संसाधन जुटाने और उन्हें साकार रूप देने में पूरा जीवन लगा देते हैं। यदि कोई हमारे एक परिवार को क्षति पहुँचाने की कोशिश करता है, तो हमें कैसा लगेगा? क्या सृष्टि भी इससे क्रोधिती नहीं होगी? प्रकृति का हर तत्व हमारी भलाई के लिए बना है, हर जीव हमारे कल्याण के लिए बना है, और हर मनुष्य को ईश्वर ने सब की आकांक्षाओं की पूर्ति में सहयोग देने के लिए बनाया है। तो क्या ईश्वरीय कृति को नष्ट करना सही बात है?

प्राकृतिक आपदाएं और प्रकृति का प्रकोपन हमें समय–समय पर यह संकेत देते हैं कि हमें अब इसे रोक देना चाहिए, वरना न हम रहेंगे, न सृष्टि रहेगी। पृथ्वी अन्य ग्रहों में सबसे सुंदर ग्रह है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि और भी ग्रह हैं जहाँ जीवन है, और यह भी बताया जाता है कि कई उड़ान तश्तरियाँ आती हैं और हमारी धरती की खूबसूरती व स्वर्गिक आनंद को देखकर चली जाती हैं, लेकिन लाखों कोशिशों केन बाद भी वे हमारी धरती जैसा सौंदर्य और संपूर्णता नहीं ला सकते।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक, धरती से दूर क्षितिज आकाश तक, केवल सौंदर्य ही सौंदर्य है। जैसे हम सुंदर कपड़ों और साज–सज्जा से स्वयं को खूबसूरत बनाते हैं, हमारी प्रकृति हमारी सृष्टि को खूबसूरत बनाती है। यह हमारा परम कर्तव्य है कि हम सृष्टि की इस सुंदरता को, प्रकृति के इस श्रृंगार को चिरंजीव रहने दें। हमारा जीवन तो सीमित समय के लिए है, लेकिन प्रकृति जाने कितनी सदियों से हमारा साथ दे रही है और देती रहेगी। वृक्ष, जल, वायु, आकाश, धरती दृ ये सभी पुण्य हैं, पूज्य हैं, और हमें इन्हें ईश्वर मानकर सदैव इनकी पूजा करनी चाहिए और इनके संरक्षण के लिए संकल्पित होकर सदैव सम्मान देना चाहिए।

कंगना के बाद अब शर्मिष्ठा पनोली के सपोर्ट में आए अशोक पंडित, बोले-उसे अकेला मत छोड़ो, अपनी आवाज उठाओ

जानी–मानी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली गिरफ्तार हो गई हैं। कोलकाता पुलिस ने 22 साल की शर्मिष्ठा को गुड़गांव से गिरफ्तार किया जिसके बाद से ही वह चर्चा में हैं। शर्मिष्ठा पनोली ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक विवादित बयान दिया था। कंगना रनौत के बाद अब फिल्म निर्माता और इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर्स असोसिएशन (आईएफटीडीए) के अध्यक्ष अशोक पंडित शर्मिष्ठा के समर्थन में आगे आए हैं। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर शर्मिष्ठा पनोली की एक तस्वीर शेयर कर अशोक पंडित ने देशवासियों से उसके समर्थन में साथ देने की अपील करते हुए कैप्शन में लिखा–अपनी आवाज उठाओ, उसे अकेला मत छोड़ो ।अपनी आवाज उठाओ क्योंकि, अत्याचार के सामने चुप रहना एक तरह की सहभागिता है। जब भी आप अपनी नजरें दूसरी ओर घुमाते हैं तो शिकारी अपने पंजे और तेजी से मारने की फिराक में रहता है। सबकी निगाहें शर्मिष्ठा पर हैं। इससे पहले शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी से नाराज कंगना रनौत ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि एक गलती के कारण किसी का पूरा करियर तबाह करना गलत है। कंगना रनौत ने यह भी कहा था कि किसी को लॉ एंड ऑर्डर के नाम पर इस तरह से परेशान करना ठीक नहीं है जब उसने अपनी गलती के लिए माफी मांग ली हो और आपत्तिजनक पोस्ट को हटा लिया हो। किसी एक गलती के कारण उसके पूरे करियर और कैरेक्टर को तबाह कर देना न्यायसंगत नहीं है। ऐसा व्यवहार किसी भी बेटी के साथ नहीं होना चाहिए। बता दें कि कोलकाता के गार्डनरीच थाने की पुलिस ने शर्मिष्ठा को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया था और शनिवार दोपहर कोलकाता के सिटी कोर्ट में पेश किया था.. मामले में विस्तृत सुनवाई के बाद कोर्ट ने उसे 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दरअसल, शर्मिष्ठा पनोली ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था और ऑपरेशन सिंदूर पर बॉलीवुड की चुप्पी पर सवाल उठाए थे। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने समुदाय विशेष को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया और अभद्र भाषा का भी प्रयोग किया। इसके बाद 15 मई को उनके खिलाफ गार्डनरीच थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी हालांकि कड़ी आलोचनाओं के बाद शर्मिष्ठा ने वीडियो हटा दिया और मामले में सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी, लेकिन गिरफ्तारी से नहीं बच सकीं। यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना है।

> इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर शर्मिष्ठा पनोली की एक तस्वीर शेयर कर अशोक पंडित ने देशवासियों से उसके समर्थन में साथ देने की अपील करते हुए कैप्शन में लिखा-अपनी आवाज उठाओ, उसे अकेला मत छोड़ो।अपनी आवाज उठाओ क्योंकि, अत्याचार के सामने चुप रहना एक तरह की सहभागिता है। जब भी आप अपनी नजरें दूसरी ओर घुमाते हैं तो शिकारी अपने पंजे और तेजी से मारने की फिराक में रहता है।

दुबई में विराट–अनुष्का ने बिताया समय, विरुष्का का रोमांस देख लट्टू हुए फैंस

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली मनोरंजन जगत के चर्चित कपल्स में से एक हैं। बीते कई समय से खबरें आ रही हैं कि कपल भारत छोड़ लंदन शिफ्ट हो रहा है। इन तमाम खबरों के बीच कपल ने दुबई पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक ऐड के लिए हाथ मिलाया है नए विज्ञापन में, इस कपल ने अपनी केमिस्ट्री दिखाई है जिसमें विराट ने मजाकिया अंदाज में बताया है कि कैसे वह अनुष्का को डेट पर ले जाने से पहले नर्वस हो जाते थे। दुबई के लिए किए जाने वाले एक ऐड फिल्म में विराट और अनुष्का एक अलाव के पास बैठकर रोमांटिक नाइट आउट के मजे लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो रेडिट पर सामने आया है और वायरल हो गया है। अनुष्का विराट कोहली से पूछती हैं, आप इतने अमेजिंग कैसे हैं? इस पर विराट जवाब देते हैं, मैं कह सकता हूं कि मैंने सबसे बेहतरीन इंसान से सीखा है, जिस पर अनुष्का शरमा जाती हैं और कहती हैं चीजी। विराट कहते हैं, पिजी। दूसरे सीन में, विराट और अनुष्का दुबई के खूबसूरत तट पर खड़े हैं, जब उनकी नजर एक और कपल पर पड़ती है,जिस पर विराट प्यार से कहते हैं, प्यारा जोड़ा! अनुष्का को लगता है कि दूसरे दो लोग शायद सिर्फ दोस्त हों लेकिन विराट नहीं मानते हैं और पूरे आत्मविश्वास से कहते हैं कि वे एक कपल ही हैं। जब अनुष्का ने आगे पूछा, तो विराट ने कहा, श्वे डेट पर हैं... देखो वह नर्वस है। मैं भी नर्वस हुआ करता था।श इस बात से अनुष्का फिर से शरमा जाती हैं। विराट और अनुष्का के बीच की केमिस्ट्री ने फैंस को दीवाना बना दिया है। अनुष्का शर्मा ने कई सालों तक डेटिंग करने के बाद 2017 में इटली में शादी की। कपल ने 11 जनवरी, 2021 को बेटी वामिका का स्वागत किया। उन्होंने 15 फरवरी, 2024 को अपने दूसरे बच्चे– बेटे अकाय का स्वागत किया।

लंबे समय से टल रही 'द राजा साब' की रिलीज डेट घोषित, 16 जून को आएगा प्रभास की फिल्म का टीजर

अभिनेता प्रभास और निर्देशक मारुति की लंबे समय से अटकी फिल्म 'द राजा साब' इस साल के अंत में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने मंगलवार को रिलीज की तारीख और टीजर रिलीज की तारीख की घोषणा की। श्द राजा साबश को गर्मियों के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था। हालांकि, वित्तीय और प्रोडक्शन मुद्दों के कारण फिल्म में देरी हुई है। श्द राजा साबश का पोस्टर शेयर करते हुए, फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हॉरर जॉनर के साथ तालमेल रखते हुए, फिल्म का टीजर 16 जून को रात 10रू52 बजे लॉन्च किया जाएगा।

राजा साहब की रिलीज डेट

मारुति दासारी द्वारा लिखित और निर्देशित, तमिल भाषा की इस फिल्म में प्रभास, निधि अग्रवाल, संजय दत्त, साई पल्लवी, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का नया पोस्टर शेयर करके मेकर्स ने खुलासा किया कि 'द राजा साहब' 5 दिसंबर, 2025 को बड़े पर्दे पर आएगी। इस बीच, फिल्म का टीजर 16 जून को रात 10. 52 बजे रिलीज किया जाएगा। 3 जून को प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने प्रशंसकों और फ़ॉलोअर्स के साथ यह खबर शेयर की। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, रुजीमत्रैंइ का टीज़र 16 जून को। 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में मिलते हैं। जिन लोगों को नहीं पता, उन्हें बता दें कि इस फ़िल्म का निर्माण टीसी विश्व प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले किया है। इस फ़िल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। यह अखिल भारतीय फ़िल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सहित पाँच भाषाओं में रिलीज़ होगी।

वर्क फ्रंट

अपने वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रभास को आखिरी बार एक्शन एपिक फ़िल्म श्कल्कि 2898 ।क्श में बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन के साथ मुख्य भूमिकाओं में देखा गया था। वह अगली बार मुकेश कुमार सिंह की एक्शन ड्रामा फ़िल्म श्कन्नप्पाश में नज़र आएंगे, जिसमें उनके साथ विष्णु मांचू, साउथ के सुपरस्टार मोहनलाल और अक्षय कुमार मुख्य भूमिकाओं में होंगे। इंडिया टुडे के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, अभिनेत्री मालविका ने अपनी भूमिका के बारे में बात की और कहा, ष्मुझे यह तथ्य पसंद है किरू ए. यह एक ऐसी शैली ख्हॉरर कॉमेडी, थी जिसका मैं हिस्सा नहीं थी, जिसके लिए मैं उत्साहित थी, और बी. अधिकांश फिल्मों में, खासकर जैसे–जैसे नायक बड़ा होता जाता है, महिला की भूमिका उतनी ही छोटी होती जाती है। लेकिन, श्द राजा साहबश के साथ ऐसा नहीं था। रिपोर्ट के अनुसार, प्रोडक्शन संबंधी समस्याओं के कारण फिल्म के कई हिस्सों को फिर से शूट किया गया है। सिनेमैटोग्राफर कार्तिक पलानी और संगीतकार थमन तकनीकी दल का हिस्सा हैं।

> फिल्म का नया पोस्टर शेयर करके मेकर्स ने खुलासा किया कि 'द राजा साहब' ५ दिसंबर, २०२५ को बड़े पर्दे पर आएगी। इस बीच, फिल्म का टीजर १६ जून को रात १०.५२ बजे रिलीज किया जाएगा। ३ जून को प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने प्रशंसकों और फ़ॉलोअर्स के साथ यह खबर शेयर की।

साउथ इंडियन ब्यूटी बन 33 की पूजा बनर्जी ने कराया मैटरनिटी शूट, कांजीवरम साड़ी में माम टू बी एक्ट्रेस ने फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

टीवी एक्ट्रेस पूजा बनर्जी इन दिनों अपना बेस्ट फेस यानि प्रेग्नेंसी पीरियड को एंजॉय कर रही हैं। पूजा बनर्जी दूसरी बार मां बनने वाली हैं। वहीं एक्ट्रेस ने हाल ही में एक स्पेशल मैटरनिटी फोटोशूट से खूब वाहवाही बटोरी। डवउ ज्व ठम एक्ट्रेस ने साउथ इंडियन लुक प्यारा सा फोटोशूट करवाया। तस्वीर में वह येलो कलर की कांजीवरम साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने टेंपल ज्यूलरी के साथ लुक को पूरा किया। मांग टीका,माथा पट्टी, दो नेकलेस, कड़े हसीना के इस लुक को चार–चांद लगा रहे हैं। मिनिमल मेकअप से पूजा ने अपने इस लुक को कंप्लीट किया। तस्वीरों में बेबी बंप को थामे एक्ट्रेस पोज देती नजर आ रही हैं। बता दें ये पहली बार नहीं है कि एक्ट्रेस ने मैटरनिटी शूट कराया है। इससे पहले ही वो अपना शूट करा चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने मछली की कॉस्ट्यूम पहनकर जलपरी वाला फोटो शूट कराया था।

भाषाई विवाद में घिरे कमल हासन ने नहीं मांगी माफी तो सड़कों पर उतरे लोग, फूंके एक्टर के पुतले

साउथ सिनेमा के दिग्गज एक्टर कमल हासन अपनी फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज से पहले अपने भाषाई विवाद को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में कन्नड़ भाषा पर दिए गए उनके एक बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी। कर्नाटक के कई हिस्सों में लोगों ने एक्टर के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनके पुतले भी जलाए गए हैं, जिसके फुटेज सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। दरअसल, फिल्म ठग लाइफ के प्रमोशनल इवेंट के दौरान कमल हासन ने एक बयान देते हुए कहा कि कन्नड़ भाषा की उत्पत्ति तमिल से हुई है। इस कथन को वो विवादों में घिर गए और सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक उनके खिलाफ विरोध शुरू हो गया। कमल हासन के इस बयान के बाद कर्नाटक के मंत्री शिवराज तंगडगी सहित कई प्रमुख नेताओं ने एक्टर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। लेकिन कमल हासन ने माफी मांगने से इनकार करते हुए कहारू "मैं तमिल, तेलुगू और कन्नड़ भाषाओं और उनके बोलने वालों का पूरा सम्मान करता हूं। लेकिन मैं अपने बयान पर कायम हूं और माफी नहीं मांगूंगा। इस प्रतिक्रिया के बाद विरोध और तेज हो गया। कई शहरों में प्रदर्शनकारियों ने कमल हासन के पुतले जलाए, नाराजगी जताई और नारेबाजी की। विवाद बढ़ता देख, कन्नड़ भाषा से जुड़े कुछ समूहों और कार्यकर्ताओं ने कमल हासन की आने वाली फिल्म 'ठग लाइफ' को कर्नाटक में बैन करने की मांग की है। इस विरोध का नेतृत्व लोकसभा सांसद एलआर शिवराम गौड़ा और अन्य सामाजिक संगठनों ने किया। उनका कहना है कि जब तक कमल हासन अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगते, तब तक उनकी फिल्म को कर्नाटक में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा।

'यंग फिट इंडिया आइकन' के रूप में नियुक्त हुई शर्वरी, खुशी जाहिर कर बोलीं– गर्व महसूस कर रही हूं

मुंजा, महाराज और वेदा जैसी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुकी शर्वरी वाघ अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने एक उपलब्धि को लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। अब वह राष्ट्रीय फिटनेस अभियान का चेहरा बन चुकी हैं। फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत आयोजित संडेज ऑन साइकल पहल में भाग लेने के बाद उन्हें 'यंग फिट इंडिया आइकन' के रूप में नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के 25 वें संस्करण में की गई, जिसमें केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की मौजूदगी रही। यह अभियान नागरिकों को फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिलिंग को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। शर्वरी ने इस मौके पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा– युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा श्यंग फिट इंडिया आइकनश बनाए जाने पर मुझे गर्व है। 'संडेज ऑन साइकल' जैसे पहल का हिस्सा बनना बेहद उत्साहजनक है, जो न केवल फिटनेस को बढ़ावा देती है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा का भी संदेश देती है। यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'फिट इंडिया मूवमेंट' का सशक्त विस्तार है और मैं इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रही हूं।

घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएगे आपके बेहद काम

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर–घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज़्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे–छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं–

अलग–अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3–4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालोगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

क्या किडनी स्टोन होने पर महिलाएं प्रेग्नेंट हो सकती हैं?

कई महिलाएं जब फैमिली प्लानिंग के बारे में सोचती हैं तो उनके मन में एक सवाल आता है श्अगर मुझे किडनी की पथरी है तो क्या मैं प्रेग्नेंट हो पाऊंगी? ये चिंता बिलकुल आम है, खासकर जब शरीर में पहले से कोई हेल्थ प्रॉब्लम चल रही हो। किडनी स्टोन सुनने में भले ही छोटी बात लगे, लेकिन जब बात प्रेग्नेंसी की होती है तो हम हर छोटी चीज को लेकर सतर्क हो जाते हैं। इस आर्टिकल में हम आसान भाषा में समझेंगे कि किडनी स्टोन और प्रेग्नेंसी का आपस में क्या रिश्ता है, और किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है।

क्या महिलाओं को किडनी स्टोन होने से प्रेग्नेंसी में दिक्कत होती है?

प्रेग्नेंसी कंसीव करने में कोई सीधी रुकावट नहीं होती: अगर किडनी स्टोन छोटी है और कोई गंभीर लक्षण नहीं है, तो महिलाएं सामान्य रूप से गर्भधारण कर सकती हैं। किडनी स्टोन का महिला की प्रजनन क्षमता पर सीधा असर नहीं होता।

लेकिन कुछ स्थितियों में परेशानी हो सकती है जैसे

बार–बार स्टोन बननाः अगर बार–बार स्टोन बनते हैं तो इससे किडनी पर असर पड़ सकता है, जिससे शरीर की सेहत कमजोर हो सकती है, और इससे गर्भधारण में परेशानी आ सकती है।

स्टोन के कारण संक्रमणः अगर स्टोन की वजह से बार–बार यूरिन इन्फेक्शन होता है तो ये गर्भधारण को प्रभावित कर सकता है।

किडनी डैमेजः अगर स्टोन के कारण किडनी को नुकसान पहुंचा है तो हार्मोनल बैलेंस बिगड़ सकता है, जो प्रेग्नेंसी में रुकावट ला सकता है।

अगर किडनी स्टोन के साथ महिला प्रेग्नेंट हो जाए तो क्या होता है?

प्रेग्नेंसी के दौरान किडनी पर पहले से ज़्यादा दबाव पड़ता है। अगर पहले से स्टोन है, तो प्रेग्नेंसी के दौरान दर्द, इन्फेक्शन या यूरिन रुकने की समस्या हो सकती है। डॉक्टर की सलाह और नियमित चेकअप बहुत जरूरी हो जाते हैं।

इलाज और बचाव

ज्यादा पानी पीनाः हर दिन 8–10 गिलास पानी पीने से यूरिन साफ रहता है और पथरी बनने की संभावना कम होती है।

डाइट का ध्यानः कैल्शियम और ऑक्सलेट की मात्रा संतुलित रखें (पालक, चाय, चॉकलेट कम खाएँ अगर बार–बार स्टोन बनते हैं)।

डॉक्टर से समय–समय पर जांचः अगर पहले से किडनी स्टोन की समस्या रही है तो प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले एक बार नेफ्रोलॉजिस्ट (किडनी डॉक्टर) और गाइनेकोलॉजिस्ट से मिलना चाहिए।

किडनी स्टोन होना प्रेग्नेंसी कंसीव करने में हमेशा रुकावट नहीं बनता है, लेकिन अगर स्टोन की वजह से कोई और समस्या (जैसे किडनी डैमेज या इन्फेक्शन) हो, तब परेशानी आ सकती है। सही समय पर इलाज, संतुलित खानपान और डॉक्टर की सलाह से महिलाएं सुरक्षित रूप से प्रेग्नेंसी प्लान कर सकती हैं।

सब्जियां सॉते करते वक्त गल जाती हैं, जानिए फ्राई करने के आसान टिप्स

रोजमर्रा की किचन लाइफ में सब्जियां सॉते (हल्का भूनना) करना आम बात है। लेकिन कई बार होता है कि हम सब्जियां पकाते वक्त उन्हें ज़्यादा भून देते हैं या तेज आंच पर पकाते हैं, जिससे वो ज़्यादा गल जाती हैं या उनका टेस्ट और टेक्सचर खराब हो जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो टेंशन लेने की जरूरत नहीं। यहां हम आपको बता रहे हैं कुछ आसान टिप्स और ट्रिक्स जिनकी मदद से आप सब्जियों को सॉते करते वक्त गलने से बचा सकते हैं और उन्हें स्वादिष्ट और क्रिस्पी बना सकते हैं।

सही आंच का करें इस्तेमाल

सब्जियों को फ्राई या सॉते करते समय आंच बहुत मायने रखती है। शुरुआत में तेज आंच पर सब्जियां डालें ताकि वो अंदर से पानी न छोड़ें, फिर बाद में आंच को मीडियम करें। इससे सब्जियां गलेंगी नहीं और उनका स्वाद भी बना रहेगा।

तेल की मात्रा हो सही

तेल ज़्यादा या कम दोनों ही स्थिति में सब्जियों का स्वाद बिगाड़ सकता है। बहुत कम तेल से सब्जियां जल सकती हैं और बहुत ज़्यादा तेल से वो नरम और ऑयली हो जाती हैं। इसलिए एक बैलेंस बनाएं कृ न ज़्यादा, न कम।

ज्यादा देर तक न पकाएं

सॉते का मतलब है हल्का भूनना, ना कि पूरी तरह पकाना। कई लोग सब्जियों को तब तक पकाते रहते हैं जब तक वो बिल्कुल गल न जाएं। ऐसा न करें। सब्जियों को सिर्फ 4–5 मिनट तक ही भूनें, जब तक वो हल्की क्रिस्पी और थोड़ी पक जाएं।

नमक बाद में डालें

अगर आप सब्जियों में शुरुआत में ही नमक डाल देते हैं तो वो जल्दी पानी छोड़ देती हैं और गलने लगती हैं। इसलिए जब सॉते का प्रोसेस लगभग पूरा हो जाए, तब ही नमक डालें।

कटिंग का रखें ध्यान

सब्जियों को बहुत बारीक या बहुत मोटा न काटें। अगर सब्जी बहुत पतली होगी तो जल्दी गल जाएगी, और अगर बहुत मोटी होगी तो ठीक से पक नहीं पाएगी। इसलिए मध्यम आकार में काटना सबसे अच्छा होता है।

ढककर न पकाएं

सॉते करते वक्त सब्जियों को कभी भी ढककर न पकाएं। ढकने से भाप बनती है जिससे सब्जियां नरम और गीली हो जाती हैं। खुला पकाएं ताकि उनमें हल्का क्रंच और रंग बना रहे।

अगर आप इन आसान टिप्स को अपनाते हैं तो आपकी सब्जियां न तो ज़्यादा गलेंगी और न ही उनका स्वाद खराब होगा। वो दिखने में भी अच्छी लगेंगी और खाने में भी मजेदार लगेंगी।

ईद के मौके पर आउटफिट के साथ वियर करें मिरर वर्क ज्वेलरी, मिलेगा परफेक्ट लुक

ईद के मौके पर महिलाएं बेस्ट से बेस्ट आउटफिट पहनना पसंद करती हैं, जिससे कि वह खास मौके पर खूबसूरत लग सकें। लेकिन अगर आपने आउटफिट के साथ स्टाइलिश और खूबसूरत लुक पाना चाहती हैं, तो आप मिरर वर्क वाली ज्वेलरी का चुनाव कर सकती हैं। अगर आप इस तरह की ज्वेलरी आपके आउटफिट के साथ परफेक्ट मैच करेंगी, तो यह मिरर वर्क वाली ज्वेलरी आपके लुक को कंप्लीट करेगी। वहीं आपका लुक भी काफी खूबसूरत नजर आएगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 4 लेटेस्ट डिजाइंस वाली मिरर वर्क ज्वेलरी दिखा रहे हैं। इस तरह की ज्वेलरी आपके आउटफिर के साथ परफेक्ट मैच करेगी। साथ ही इससे आपका लुक काफी सुंदर नजर आएगा।

सिल्वर–टोन्ड मिरर वर्क नेकलेस

अगर आप सिंपल और सोबर लुक पाना चाहती हैं, तो आप इस तरह के सिल्वर टोंड मिरर वर्क वाले नेकलेस का चुनाव कर सकती हैं। इस नेकलेस में बहुत खूबसूरत मिरर वर्क किया गया है। आप इसको शरार सेट के साथ मैच करके पहन सकती हैं। आप सिल्वर टोंड मिरर वर्क नेकलेस को 200 रुपए में मिल जाएगा।

फ्लोरल डिजाइन मिरर वर्क नेकलेस

अगर आप कुछ न्यू डिजाइन में पहनने का सोच रही हैं, तो आपको इस तरह के फ्लोरल डिजाइन मिरर वर्क वाले नेकलेस का चुनाव कर सकती हैं। इस फ्लोरल डिजाइन में मिरर वर्क नेकलेस में छोटे घुंघरू लगे हैं। इसमें मिरर वर्क भी किया गया है। इस तरह के झुमके आपको स्टाइलिश टच देने का काम करेंगे। इसको आपको 150 रुपए से 300 रुपए में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं।

राउंड मिरर वर्क नेकलेस

अगर आप भी न्यू लुक पाना चाहती हैं, लेकिन खूबसूरत नजर आने के लिए इस तरह के राउंड मिरर वर्क नेकलेस स्टाइल कर सकती हैं। यह नेकलेस राउंड डिजाइन में है और इस नेकलेस में बेहद खूबसूरत मिरर वर्क किया हुआ है। इस नेकलेस को आप डार्क कलर के आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। यह नेकलेस आपको मार्केट में 300 रुपए की कीमत में मिल जाएगा।

स्क्वायर शेप मिरर वर्क नेकलेस

स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप स्क्वायर शेप मिरर वर्क नेकलेस वियर कर सकती हैं। इस तरह की ज्वेलरी आपके लुक में चार चांद लगाने के साथ न्यू टच देने का काम करेगा। इसको आप 200 रुपए की कीमत में खरीद सकती हैं। आप यह नेकलेस लाइट कलर के सूट के साथ वियर कर सकती हैं।

संक्षिप्त

पैराग्वे को पसंद आई भारत में निर्मित 'वंदे भारत' ट्रेन, दिखाई आयात में रुचि

भारत में निर्मित वंदे भारत ट्रेनें पैराग्वे को काफी अधिक पसंद आ रही है। पैराग्वे के राष्ट्रपति ने भारत की वंदे भारत ट्रेनों के आयात में रुचि दिखाई है। ये जानकारी इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी है। हाल ही में अश्विनी वैष्णव ने पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच भारतीय रेलवे के विकास से संबंधित अवसरों पर चर्चा हुई थी। इसके साथ ही उन्होंने भारत को सेंट्रल बाई ओशनिक रेलवे कॉरिडोर परियोजना (अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाली) का हिस्सा बनने के लिए भी आमंत्रित किया है। अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर बताया कि पराग्वे के राष्ट्रपति महामहिम श्री @SantiPenap से मुलाकात की। पैराग्वे ने भारत की वंदे भारत ट्रेनों के आयात में गहरी रुचि व्यक्त की है और भारत को सेंट्रल बाई–ओशनिक रेलवे कॉरिडोर परियोजना में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। ये वंदे भारत मेक इन इंडिया अभियान को मजबूती देने की दिशा में भारत सरकार के प्रयास का अहम कदम है। बता दें कि वर्ष 2019 में सबसे पहले वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन नई दिल्ली–कानपुर–इलाहाबाद–वाराणसी मार्ग पर शुरू हुई थी। वंदे भारत ट्रेन अधिकतम 160 किमी प्रति घंटे की गति तक चल सकती है। इस ट्रेन में शताब्दी ट्रेन जैसी यात्रा श्रेणियां हैं, लेकिन सुविधाएं बेहतर हैं। रेलवे की प्रोडक्शन यूनिट, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री जो चेन्नई में स्थित है वहां सिर्फ 18 महीनों में ही आंतरिक डिजायन और निर्माण कम्प्यूटर मॉडलिंग तथा सिस्टम एकीकरण के लिए बड़ी संख्या में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम किया है। इस ट्रेन का उद्देश्य रखरखाव प्रौद्योगिकियों और कार्यप्रणालियों को उन्नत करना तथा सभी रेलवे परिसंपत्तियों और जनशक्ति की उत्पादकता और प्रदर्शन में सुधार लाना है, जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ विश्वसनीयता, उपलब्धता, उपयोग और दक्षता शामिल होगी। वंदे भारत में कई अलग–अलग खूबियाँ हैं जैसे कि इंटेलिजेंट ब्रेकिंग सिस्टम जो बेहतर त्वरण और मंदी को सक्षम बनाता है। ट्रेन के सभी कोच स्वचालित दरवाज़ों से सुसज्जित हैं; एक जीपीएस–आधारित ऑडियो–विजुअल यात्री सूचना प्रणाली, मनोरंजन के उद्देश्य से ऑन–बोर्ड हॉटस्पॉट वाई–फाई और बहुत आरामदायक सीटें हैं। एग्जीक्यूटिव क्लास में घूमने वाली कुर्सियाँ भी हैं।

पहले बढ़त के साथ खुला फिर गिरा, 220 अंक टूटा सेंसेक्स

कारोबारी सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार की शुरुआत हरे निशान पर हुई है। सेंसेक्स लगभग सुबह 9.15 बजे खुला और इसमें तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 307.38 अंक यानी 0.38 फीसदी ऊपर चढ़ा। इसके बाद ये ऊपर चढ़ते हुए 81,681.13 के स्तर पर पहुंचा। हालांकि ये बढ़त अधिक समय तक बरकरार नहीं रह सकी। कुछ समय के बाद एसएंडपी पर भी बीएसई सेंसेक्स लगभग 226.44 अंक टूट गया। ये 81,147.31 पर पहुंचा। हालांकि बाजार का ये हाल अधिक समय तक नहीं रहा। कुछ देर में एसएंडपी पर बीएसई सेंसेक्स करीब 226.44 अंक टूटकर 81,147.31 पर पहुंच गया। शुरुआत में निफ्टी भी 107.30 प्वाइंट यानी 0.43 फीसदी उछाल के साथ 24,823.90 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। मगर बाद में निफ्टी 50 में 45.05 अंक की गिरावट देखने को मिली थी। मगर बाद में निफ्टी 50 में 45.05 अंक की गिरावट देखने को मिली थी। विदेशी पूंजी की निकासी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इंडसइंड बैंक के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार सोमवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,589.47 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

पीयूष गोयल ने नाइजीरिया के मंत्री से की बात, राजदूत क्वात्रा बोले– बढ़ रही भारत की अर्थव्यवस्था

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पेरिस में नाइजीरिया के व्यापार मंत्री डोरिस एनकिरुका उजोका एनेटे से मुलाकात की। इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार को आगे बढ़ाने और विश्व व्यापार संगठन में सुधारों को आगे बढ़ाने पर बात हुई। एक्स पर मंत्री ने कहा कि पेरिस में नाइजीरिया के व्यापार, उद्योग और निवेश मंत्री के साथ बातचीत हुई। हमने भारत और नाइजीरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के अवसरों पर बात की। विश्व व्यापार संगठन सुधारों पर भी चर्चा हुई। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि हाल ही में भारत द्वारा 4.1 खरब जीडीपी का उल्लेख किया है। अब हमारे पीछे जापान है। प्रधानमंत्री मोदी ने आने वाले वर्षों में इसे पांच खरब तक ले जाने की बात कही है, लेकिन हम जिस अंतिम लक्ष्य की ओर काम कर रहे हैं, वह है वर्ष 2047 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को 28 से 35 खरब डॉलर की सीमा में ले जाना, जब हम अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे। अगर इसे किसी निवेशक के परिप्रेक्ष्य में देखते हैं, तो किसी भी निवेशक के लिए, पूंजी प्रवाह के लिए आर्थिक अवसर सबसे पहले प्रेरकों में से एक होना चाहिए। इसे किसी ऐसी चीज के साथ जोड़ना होगा जिसे निवेशक वास्तव में महत्व देते हैं। सबसे पहले, मैं कहूंगा कि कोई भी निवेशक यह देखेगा कि क्या अर्थव्यवस्था में प्रणालीगत स्थिरता है? मुंबई के धारावी में क्विक कॉमर्स फर्म जेप्टो के खाद्य व्यापार लाइसेंस को निलंबित कर दिया गया है। कंपनी के धारावी गोदाम में खाने वाली वस्तुएं फर्श पर और गंदे पानी के पास पाई गईं। कई सामग्रियों में फफूंद लगे थे।

मैं जिस टीम को चुनता हूं, वह हार जाती है, वीरेंद्र सहवाग ने कहा– इस बार यह टीम बनेगी चैंपियन

नई दिल्ली। आईपीएल को आज एक नया चौंपियन मिलेगा। आईपीएल 2025 का फाइनल आज पंजाब किंग्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें 2008 से आईपीएल में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, लेकिन अभी तक एक भी बार खिताब नहीं जीत पाई हैं। यह 2009, 2011 और 2016 के बाद आरसीबी का चौथा फाइनल है, जबकि पंजाब 2014 के बाद अपने दूसरे आईपीएल खिताबी मुकाबले में है। इस बार जो भी जीतेगा, यह लंबे इंतजार का अंत होगा। मैच से पहले पंजाब किंग्स के पूर्व कप्तान वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल 2025 के संभावित विजेता की भविष्यवाणी की है। हालांकि, उनका जवाब सुनकर आपको हंसी आ जाएगी। सहवाग ने क्रिकबज से कहा, श्मुझे लगता है कि आरसीबी जीतेगी। मैं अपने पुराने फॉर्म में वापस चला गया हूं क्योंकि मैंने देखा है कि जिस टीम का मैं समर्थन करता हूं वह हारती है। चाहे वह मुंबई के खिलाफ मैच में गुजरात हो या आरसीबी के खिलाफ क्वालिफायर–1 में पंजाब किंग्स। मैंने क्वालिफायर–2 में पंजाब के खिलाफ मुंबई का समर्थन किया, लेकिन मुंबई की टीम भी हार गई।

आरसीबी का समर्थन कर रहे सहवाग

शो के होस्ट गौरव कपूर ने फिर पूछा, श्मैंने पूछा कि आपको क्या लगता है कि कौन जीतेगा। अब मैं आपसे पूछ रहा हूं, आप किसका समर्थन कर रहे हैं?श सहवाग ने जवाब देते हुए कहा, श्रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरुश। उन्होंने कहा, भारतीय टीम के साथ भी यही मामला है। जब मैंने खुलकर उनका समर्थन किया तो वे वह मैच हार गए।

पाटीदार ने कोहली फैक्टर पर बात की

अगर आरसीबी आईपीएल 2025 का खिताब जीतती है, तो यह विराट कोहली के लिए एक खास अवसर होगा। भारत के स्टार बल्लेबाज ने अपने करियर के 18 साल रायल चौलेंजर्स बेंगलुरु को दिए हैं, लेकिन कभी खिताब नहीं जीत पाए। इस सीजन पहली बार

कप्तान बने रजत पाटीदार ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी देश के दिग्गज क्रिकेटरों में से एक विराट के लिए प्रतिष्ठित आईपीएल ट्रॉफी जीतना चाहते हैं।

सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे

वहीं, पाटीदार ने कहा, 'बेशक। मुझे लगता है कि उन्होंने आरसीबी और अंतरराष्ट्रीय टीम को भी काफी साल दिए हैं। हम खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।' पाटीदार से जब पूछा गया कि आरसीबी की टीम प्रतियोगिता की सबसे प्रभावशाली टीमों में से एक है तो क्या सिर्फ एक खिलाड़ी पर ध्यान देना निराशाजनक है? इस पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए निराशाजनक नहीं है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। हम यहां मंच के लिए नहीं खेल रहे हैं। मैं हमेशा चीजों को सरल रखना पसंद करता हूं।

आरसीबी को मिला है गजब का समर्थन

आरसीबी के लिए निश्चित तौर पर कोहली फैक्टर रहा है। घर से बाहर खेलते हुए टीम को कोहली की वजह से दर्शकों का भारी समर्थन मिला है। पाटीदार ने भी यह स्वीकार किया कि इससे उन्हें अपने घरेलू मैदान पर होने का एहसास होता है। उन्होंने कहा, हम जहां भी जाते हैं, हमें लगता है कि यह हमारे लिए घरेलू मैदान है और पिछले कई वर्षों से वे जिस तरह से फैंस अपना समर्थन और प्यार दिखा रहे हैं, उसे देखते हुए हम उनके लिए भी ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में जगह नहीं मिलने से श्रेयस अय्यर हुए थे दुखी, कोच रिकी पोंटिंग ने किया खुलासा

पंजाब किंग्स ने दूसरे क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पंजाब किंग्स के इस बेहतरीन जीत के बाद ये भी तय हो गया कि आईपीएल को इस सीजन में एक नया चौंपियन मिलेगा। वहीं अब 3 जून को फाइनल में पंजाब का सामना आरसीबी से होगा और दोनों टीमों ने 18 साल में एक बार भी खिताब नहीं जीता है। पंजाब किंग्स ने 11 साल बाद फाइनल में जगह बनाई है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि श्रेयस अय्यर का हालिया शानदार प्रदर्शन टेस्ट टीम में जगह ना मिलने से प्रेरित है। श्रेयस अय्यर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ नाबाद 87 रनों की बेहतरीन पारी खेली। पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग ने भारतीय टेस्ट टीम में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिलने पर हैरानी जताई है। उनके जैसा प्रदर्शन करने वाले अन्य खिलाड़ियों को मौका मिला है। उन्होंने कहा कि, मैं वास्तव में दुखी था। लेकिन उसने अच्छे से इसे स्वीकार किया और आगे बढ़ गया। उसकी आंखों में हर बार हमारे लिए खेलते समय अच्छा प्रदर्शन करने की भूख है। उन्होंने आगे कहा कि, टेस्ट टीम में चुने गए कुछ अन्य खिलाड़ियों ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट और आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर जगह बनाई, जबकि श्रेयस ने भी अन्य खिलाड़ियों की तरह ही सब कुछ किया है। टेस्ट टीम में चुने गए कुछ अन्य खिलाड़ियों ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट और आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर ये उपलब्धि हासिल की है और श्रेयस ने भी अन्य खिलाड़ियों की तरह ही सब कुछ किया है। पिछले साल अपनी कप्तानी में केकेआर को खिताब दिलाने वाले श्रेयस अय्यर ने दबाव के क्षणों में परिपक्व पारी खेलते हुए 11 साल में पहली बार पंजाब को फाइनल में पहुंचाया। मुंबई के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के सामने जीत के लिए 204 रन का लक्ष्य आसान नहीं था लेकिन श्रेयस ने आक्रामक बल्लेबाजी की नयी परिभाषा गढी।

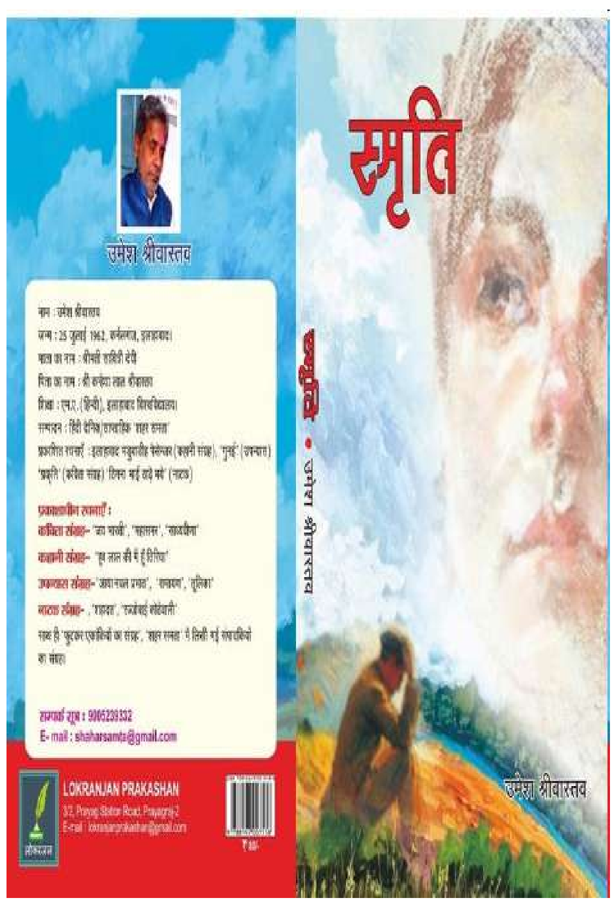

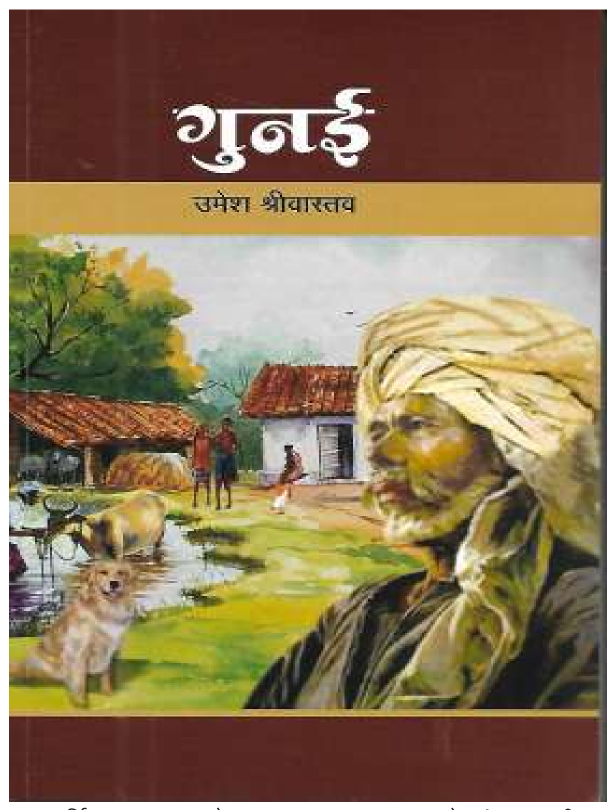

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

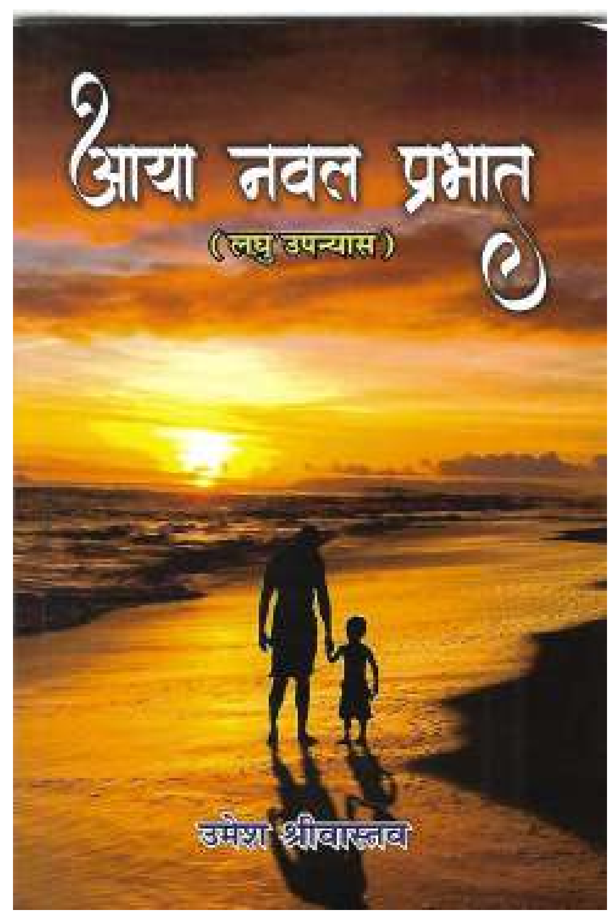

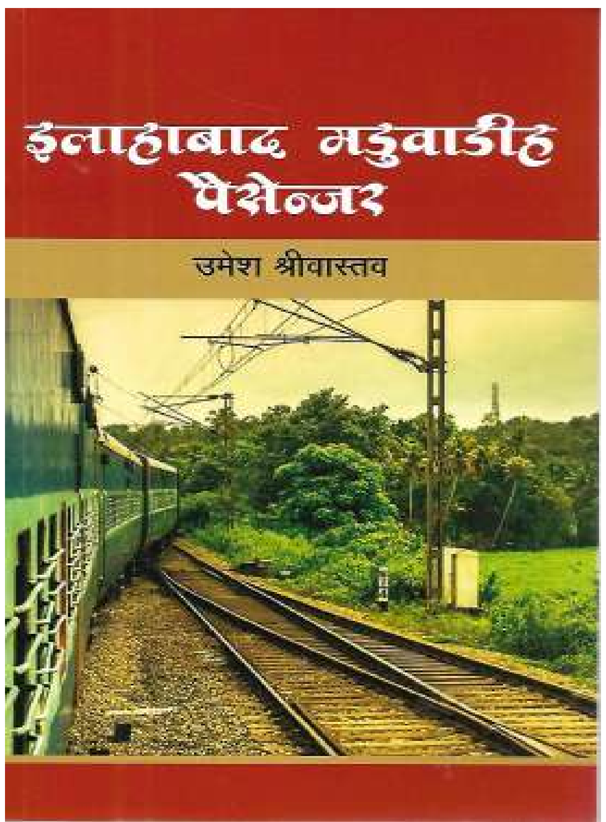

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

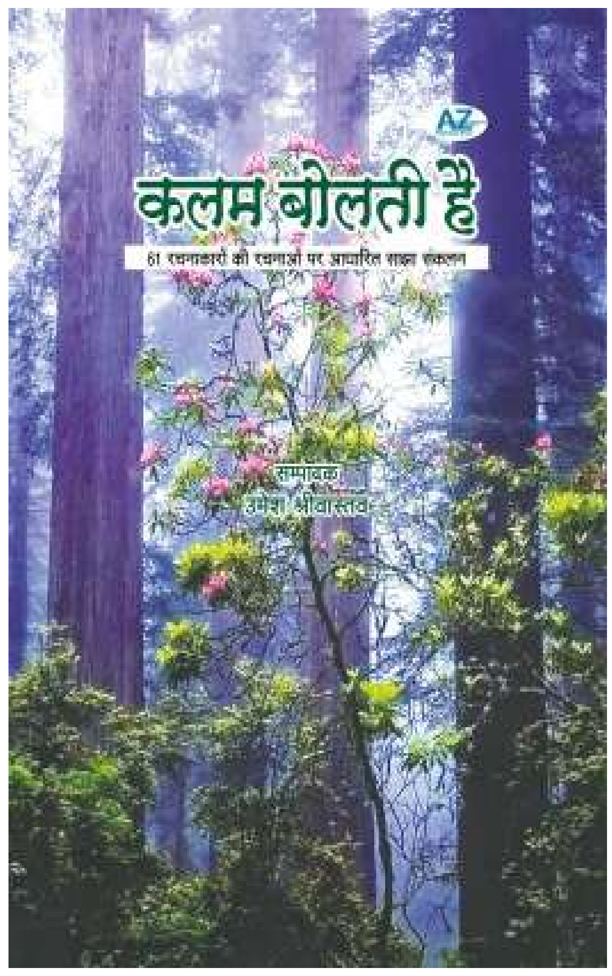

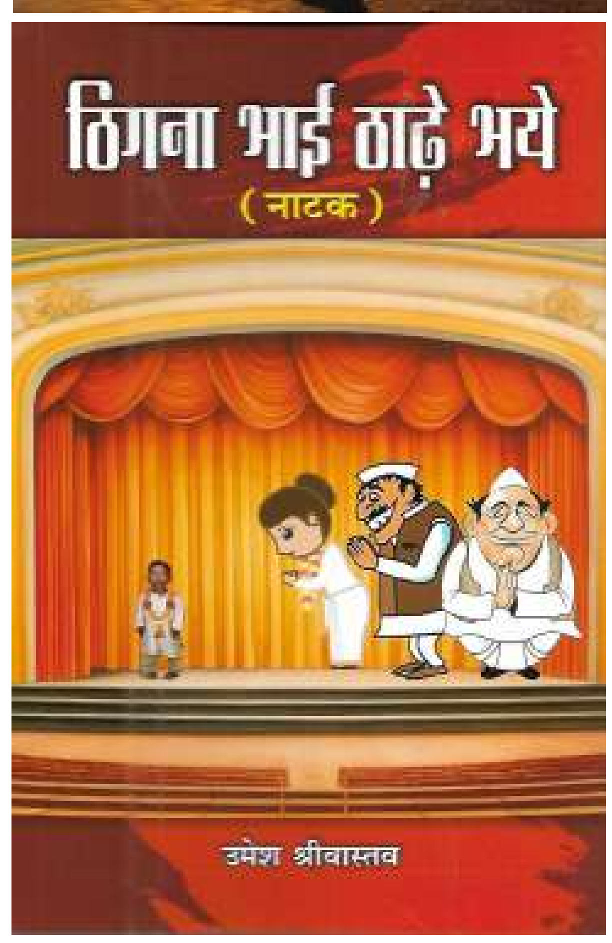

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तान में बिगड़े हालात, जेल तोड़कर भागे 200 से ज्यादा खूंखार कैदी, ताबड़तोड़ हुई गोलीबारी

भूकंप के कारण मची अफरातफरी के बीच 2 जून की रात कराची की उच्च सुरक्षा वाली मलीर जेल से 200 से अधिक कैदी भाग निकले, जिनमें से कुछ कट्टर अपराधी भी हैं। पाकिस्तान में जेल से भागने की घटना में कम से कम 216 कैदी भाग निकले, जिसमें एक कैदी की मौत हो गई और गोलीबारी में कई अन्य घायल हो गए। इस घटना के दौरान फ्रंटियर कोर (एफसी) के तीन कर्मियों और एक जेल गार्ड को भी गंभीर चोटें आईं, जिससे जेल संघर्ष क्षेत्र में बदल गई। इसके जवाब में कराची को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

भूकंप के कारण जेल से भागने की घटना कैसे हुई

शहर में भूकंप के झटके महसूस किए जाने के बाद हुई अफरातफरी के कारण सुरक्षा में चूक के कारण जेल से भागने की घटना हुई। एहतियात के तौर पर कैदियों को अस्थायी रूप से उनके बैरकों से बाहर निकाला गया, जिसके कारण मुख्य द्वार के पास 700 से 1,000 कैदी एकत्र हो गए। अफरातफरी के बीच, 100 से अधिक कैदियों ने, जिनमें से कई पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं, जबरन गेट खोला और भाग निकले। इस हाथापाई के दौरान, कैदियों ने हथियार छीन लिए, अधिकारियों पर गोलियां चलाईं और जेल की सुरक्षा और आपातकालीन तैयारियों में महत्वपूर्ण खामियों को उजागर किया। सिंध के गृह मंत्री जिया–उल–हसन लंजर ने स्पष्ट किया कि कैदियों ने जेल की दीवार नहीं बल्कि मुख्य द्वार तोड़ा, जैसा कि शुरू में बताया गया था। उन्होंने स्वीकार किया कि भूकंप के कारण दीवार में दरारें आ गईं, लेकिन भागने में इसका इस्तेमाल नहीं किया गया।

कराची की सड़कों पर घूमते दिखे कैदी

जेल से भागने के तुरंत बाद, सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हुए, जिसमें कई कैदी कराची की सड़कों पर घूमते हुए दिखाई दे रहे थे और कुछ खुलेआम चिल्ला रहे थे कि वे 28 साल से जेल में बंद हैं। यह सब तब हुआ जब पुलिस तलाशी लेने के लिए दौड़ी, जिससे आम लोग दहशत में आ गए।

तलाशी अभियान शुरू, 75 कैदी पकड़े गए

जवाब में, रेंजर्स, पुलिस और एफसी सहित सुरक्षा बलों ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। मंगलवार सुबह तक, 75 कैदियों को पकड़ लिया गया था, शेष भगोड़ों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। शहर भर में चौकियाँ स्थापित की गईं, राष्ट्रीय राजमार्ग के पास यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया और निगरानी बढ़ा दी गई। गृह मंत्री, महानिरीक्षक और जेल के उप महानिरीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने नुकसान का आकलन करने और पुनर्प्राप्ति प्रयासों का समन्वय करने के लिए सुविधा का दौरा किया। मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को भी जानकारी दी गई और उन्होंने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के आदेश दिए हैं।

यूक्रेन ड्रोन अटैक देख गुस्से से पागल हुए पुतिन, रूस हमले के बाद भारत की क्यों बढ़ी चिंता ?

यूक्रेन की स्पेशल फोर्स ने रूस पर ताबड़तोड़ एयर स्ट्राइक की है। रूस ने इसे आतंकी हमला कहा है। यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने सैकड़ों एआई ड्रोन्स की मदद से रूस के पांच सैन्य बेस पर हमला कर दिया। यूक्रेन ने कहा कि उसने रूस के 41 लड़ाकू विमानों को तबाह कर दिया है। हालांकि रूस ने इस बात को नकार दिया है। लेकिन यूक्रेन ने तस्वीरें जारी कर दी। आकार, पैमाने और जटिलता के मामले में यूक्रेन ने दुनिया के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दे दिया है। ये हमला कितना भयानक और व्यापक था इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि यूक्रेन ने रूस के जिन एयर बेस पर हमला किया है, वो एयरबेस रूस के तीन अलग अलग टाइमजोन में पड़ते हैं। आपको याद होगा कि कुछ दिनों पहले ही डोनाल्ड ट्रंप नेपुतिन को चेतावनी दी थी। ट्रंप ने कहा था कि रूसी राष्ट्रपति यूक्रेन के साथ युद्ध

विराम वार्ता में शामिल होने से इनकार करके आगे आग से खेल रहे हैं। अगर वे नहीं होते तो रूस में बहुत सारी बुरी चीजें पहले ही हो चुकी होती। मेरा मतलब है कि बहुत बुरी चीजें। लेकिन ट्रंप के इस बयान के बाद रूस भड़क गया था। पुतिन की तरफ से तीसरे विश्व युद्ध की धमकी दी गई है और साफ कहा गया है कि ट्रंप जिस तरीके से बयानबाजी कर रहे हैं, जिस तरीके से भिड़ने की कोशिश कर रहे हैं, उसका नतीजा सिर्फ एक दिखाई दे रहा है और वो तीसरा विश्व युद्ध है। अब यूक्रेन की तरफ से रूस पर बड़ा अटैक किया गया है। जेलेंस्की ने दावा किया है कि इस ऑपरेशन में 117 ड्रोन्स का इस्तेमाल किया गया। जेलेंस्की ने दावा किया कि हमारा ऑपरेशन रूस के जिस क्षेत्र में चला, उसका ऑफिस सीधे रूस के एफएसबी विभाग के बगल में था। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस हमले के बाद रूस को शायद पहली बार वो दर्द झेलना पड़ा है, जो दर्द भारत को भी झेलना पड़ा था। जिस तरह से जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हमला करने आए आतंकियों की कुछ भारत के ही गद्दारों ने मदद की थी। ठीक उसी तरह कुछ गद्दारों ने यूक्रेन के साथ हाथ मिलाकर रूस पर हमला करवा दिया। गद्दारों की जो कीमत भारत को जम्मू कश्मीर में उठानी पड़ती है। वही कीमत इस बार रूस ने चुकाई है। आपको याद होगा कि भारत के पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि भारत की जंग ढाई मोर्चों पर हो रही है। उन्होंने बार–बार 2.5 मोर्चे के युद्ध को संबोधित किया, जिसमें पाकिस्तान और चीन के साथ–साथ भारत के भीतर कुछ तत्वों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरों को रेखांकित किया। बताया जा रहा है कि रूस पर जो हमला हुआ है। वो रूस के अंदर ही आधे मोर्चे वाले की मदद से किया गया है। यूक्रेन पिछले 18 महीनों से रूस में बैठे गद्दारों की मदद से अपने ड्रोन्स रूस के गुप्त सैन्य ठिकानों के पास छिपा रहा था। इसके अलावा कई ड्रोन्स को ट्रकों में भरकर रूस की सेना के ठिकानों के पास लगा दिया।

बांग्लादेश के नोटों से क्यों हटाई गई बंगबंधु मुजीबुर रहमान की तस्वीर, भारत के लिए क्या है संदेश?

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार धीरे–धीरे बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को खत्म करने में जुटी है। अब इसी कड़ी में बांग्लादेशी सरकार ने अपने नोटों से बंगबंधु की तस्वीर हटा दी है। सोमवार को बांग्लादेश की आंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने नए नोटों का अनावरण किया। जल्द ही ये नए नोट सर्कुलेशन में आ जाएंगे। नए नोटों पर बंगबंधु की तस्वीर गायब है।

शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को किया जा रहा खत्म

मोहम्मद यूनुस सरकार के विरोधी इस कदम को शेख मुजीबुर रहमान की विरासत खत्म करने की कोशिश का हिस्सा बता रहे हैं। इससे पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार इतिहास की किताबों में भी बदलाव कर चुकी है, जिनमें बांग्लादेश की आजादी

की लड़ाई में शेख मुजीबुर रहमान के योगदान को धुंधला किया जा रहा है। साथ ही मौजूदा बांग्लादेश सरकार में शेख मुजीबुर रहमान की कई जगहों पर प्रतिमाओं को भी तोड़ा गया है। साल 1971 से ही बांग्लादेश के सभी नोटों पर शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर थी, लेकिन अब इसे हटाकर उनकी जगह बांग्लादेश की ऐतिहासिक स्थलों की तस्वीर छापी गई है।

दुनिया के सामने खुद की छवि सुधारने की कोशिश

जिन ऐतिहासिक स्थलों की तस्वीर नोटों पर छापी गई है, उनमें इस्लाम से जुड़े स्थलों के अलावा हिंदू और बौद्ध धर्म के मंदिरों को भी शामिल किया गया है। सरकार का इस बदलाव के पीछे तर्क है कि यह राष्ट्रीय प्रतीकों का अराजनीतिकरण है। बांग्लादेश की मुद्रा पर इस्लामिक ऐतिहासिक स्थलों के अलावा हिंदू और बौद्ध धर्म से जुड़े स्थलों की तस्वीरों को अंतरराष्ट्रीय दबाव से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार बढ़े हैं। जिसके चलते बांग्लादेश की सरकार पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी है। मुद्रा पर ऐतिहासिक स्थलों की तस्वीर को इस दबाव को कम करने की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा है। अभी 1000, 50 और 20 टका के नोट जारी किए गए हैं। बांग्लादेश बैंक के प्रवक्ता ने बताया कि अभी शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर वाले नोट और सिक्के भी चलन में रहेंगे।

भारत के लिए क्या संदेश

बांग्लादेश से शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को खत्म करने की कोशिश बांग्लादेश में बदलते राजनीतिक परिदृश्य का सबूत है। यह बांग्लादेश की जनता के मन में शेख हसीना सरकार के लिए गुस्सा दिखाता है। साथ ही शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को खत्म करने की कोशिश, बांग्लादेश में अवामी लीग की वापसी की कोशिश को खत्म करना भी है। ये भी बताता है कि बांग्लादेश में चरमपंथी, भारत विरोधी और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग विरोधी भावना को बढ़ावा दिया जा रहा है।

गाजा में लोगों पर गोलीबारी, 27 की मौत, आईडीएफ ने कहा– सैनिकों को नुकसान पहुंचाना चाहते थे फलस्तीनी

गाजा में एक बार फिर इस्राइल से जुड़े सहायता वितरण केंद्र पर जा रहे फलस्तीनियों पर गोलीबारी हुई। इसमें 27 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी इस्राइली सेना की ओर से की गई। जबकि इस्राइली सेना ने कहा कि फलस्तीनी लोग सैनिकों की ओर बढ़ रहे थे। वे उनको नुकसान पहुंचाना चाहते थे। इसलिए चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं। पहले भी इस्राइली सेना ने सहायता केंद्र की ओर बढ़ रही भीड़ पर गोलीबारी की थी। सेना ने इस बात से इनकार किया कि वह लोगों को सहायता केंद्र

पर पहुंचने से रोक रही थी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के रिकार्ड विभाग के प्रमुख ज़हीर अल–वहीदी के अनुसार मंगलवार सुबह कम से कम 27 लोग मारे गए। रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति के प्रवक्ता हिशाम महन्ना ने कहा कि राफा में उनके फील्ड अस्पताल में 184 घायल लोग भर्ती हुए, जिनमें से 19 को मृत घोषित कर दिया गया और आठ अन्य की बाद में उनके घावों के कारण मृत्यु हो गई। 27 मृतकों को खान यूनिस शहर के नासिर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

उत्तरी गाजा में इस्राइली हमले में 14 लोगों की मौत

उत्तरी गाजा में एक आवासीय इमारत पर इस्राइली हमले में 14 लोगों की मौत हो गई। शिफा और अल–अहली अस्पतालों ने जबालिया शरणार्थी शिविर में हमले में मरने वालों की पुष्टि करते हुए कहा कि मरने वालों में पांच महिलाएं और सात बच्चे शामिल हैं। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने उत्तरी गाजा में आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इस्राइल ने कहा कि वह केवल आतंकियों को निशाना बनाता है और नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने की कोशिश करता है। वहीं फलस्तीनी प्राधिकरण ने कहा कि पश्चिमी तट पर फलस्तीनी गांव सिंजिल में इस्राइली सेना ने 14 वर्षीय एक लड़के को गोली मारकर हत्या कर दी। सेना ने कहा कि सिंजिल क्षेत्र में सैनिकों ने गोलीबारी की और एक व्यक्ति को रोका। जिसने सेना पर खतरनाक पदार्थ से भरी दो बोतलें फेंकी थीं।

31 लोगों की पहले हो चुकी है मौत

इससे पहले रविवार को इस्राइली सहायता केंद्र पर राहत सामग्री लेने जा रहे फलस्तीनियों पर हुए हमले 31 लोगों की मौत हो गई। वहीं 175 लोग घायल हो गए। लोगों ने बताया कि फलस्तीनियों पर इस्राइली सेना की ओर से गोलीबारी की गई। लोगों ने बताया कि रविवार को जब लोग सहायता वितरण केंद्र की ओर जा रहे थे तो एक गोल चक्कर पर इस्राइली सेना ने भीड़ पर गोलियां चलाईं। हालांकि फाउंडेशन का कहना है कि उसके निजी सुरक्षा गार्डों ने भीड़ पर गोली नहीं चलाई, जबकि इस्राइली सेना ने पहले भी चेतावनी स्वरूप गोलियां चलाने की बात स्वीकार की।

खाने के लिए जान जोखिम में डाल रहे फलस्तीनीः संयुक्त राष्ट्र

फलस्तीनियों पर गोलीबारी की संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने निंदा की। उन्होंने कहा कि हम गाजा में सहायता मांगने के दौरान मारे गए और घायल हुए फलस्तीनियों की रिपोर्ट से स्तब्ध हैं। यह अस्वीकार्य है कि फलस्तीनी भोजन के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। उन्होंने इस घटना की स्वतंत्र जांच की मांग की।

सात अक्तूबर 2023 से शुरू हुआ इस्राइल–हमास युद्ध

इस्राइल–हमास युद्ध 7 अक्तूबर 2023 को तब शुरू हुआ, जब फलस्तीनी चरमपंथियों ने इस्राइल पर हमला किया। इस हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे और ढाई सौ लोगों को बंधक बना लिया गया। इनमें से अधिकांश बंधकों को युद्धविराम समझौतों या अन्य समझौतों के तहत रिहा कर दिया गया। हालांकि अभी भी हमास ने 58 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें करीब एक तिहाई के जीवित होने का आशंका है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस्राइल की सैन्य कार्रवाई में 54,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हालांकि, मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि मृतकों में कितने नागरिक थे और कितने हमास के लड़ाके। इस्राइली हमलों में गाजा का बड़ा हिस्सा तबाह हो चुका है और लगभग 90 फीसदी आबादी बेघर हो चुकी है।

संक्षिप्त

ग्रीस में आया शक्तिशाली भूकंप! तुर्किये के भूमध्यसागर तक हिल धरती, सात लोग घायल

मंगलवार को ग्रीस के डोडेकेनीज़ द्वीप क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 6.2 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, यह भूकंपीय घटना तुर्की सीमा के करीब हुई। ईएमएससी ने पुष्टि की कि भूकंपीय गतिविधि 68 किमी (42 मील) की गहराई पर दर्ज की गई थी। इस बीच, तुर्की की आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, मंगलवार की सुबह भूमध्यसागरीय तटीय शहर मारमारिस में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। मारमारिस के गवर्नर इदरीस अकबीयिक ने बताया कि अपने घरों से भागने की कोशिश करते समय सात लोग घायल हो गए, कुछ लोग खिड़कियों या बालकनियों से कूद गए। गंभीर संरचनात्मक क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। भूकंप के कारण घबराकर लोग अपने–अपने घरों से बाहर निकलकर भागने की कोशिश करने लगे जिससे कम से कम सात लोग घायल हो गए। तुर्किये की आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी 'डिजास्टर एंड एमरजेंसी मैनेजमेंट प्रेसीडेंसी' ने कहा कि भूकंप का केंद्र भूमध्य सागर में था और यह देर रात दो बजकर 17 मिनट पर आया। तुर्किये के 'एनटीवी टेलीविजन' ने बताया कि रोड्स के ग्रीक द्वीप सहित आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मारमारिस के गवर्नर इदरीस अकबीयिक ने 'एनटीवी टेलीविजन' को बताया कि घबराहट में लोग अपने घरों की खिड़कियों या बालकनियों से कूदने लगे जिसके कारण सात लोगों घायल हो गए जिनका इलाज किया जा रहा है। हालांकि किसी भी तरह की गंभीर क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। तुर्किये भूकंप संभावित क्षेत्र में आता है और यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। तुर्किये में 2023 में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था जिसके कारण 53,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और देश के दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व के 11 प्रांतों में सैकड़ों इमारतें नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गई थीं। भूकंप के कारण पड़ोसी सीरिया के उत्तरी हिस्सों में 6,000 और लोग मारे गए थे।

भारत ने जितना बताया पाकिस्तान को उससे कहीं ज्यादा नुकसान

दुनिया के सामने ऑपरेशन सिंदूर पर शहबाज सरकार का सबसे बड़ा कबूलनामा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया और उसके टेरर कैंप को ध्वस्त किया। अब पाकिस्तान की तरफ से भारत के हमले में हुए नुकसान को लेकर सबसे बड़ा कबूलनामा सामने आया है। पाकिस्तान में एक आधिकारिक डोजियर ने खुलासा

किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के ज़्यादा ठिकानों पर हमला किया था। पाकिस्तान के ऑपरेशन बनयान उन मार्सोस पर डोजियर में कहा गया है कि भारत ने अपनी सेना द्वारा बताए गए ठिकानों से कम से कम आठ ज़्यादा ठिकानों पर हमला किया। डोजियर में दिए गए नक्शों में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, भवालनगर, अटक और चोर पर हमले दिखाए गए हैं। पिछले महीने हवाई हमलों के बाद प्रेस ब्रीफिंग में भारतीय वायु सेना या सैन्य संचालन महानिदेशक ने इन स्थानों का नाम नहीं बताया था। नए खुलासे से पता चलता है कि भारत ने जितना माना था, उससे कहीं ज़्यादा अंदर तक हमला किया और ऑपरेशन सिंदूर को एक नए नज़रिए से दिखाया, जिससे यह पूरी तरह से स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तान ने भारत से संपर्क क्यों किया और युद्ध विराम का अनुरोध क्यों किया। यह इस्लामाबाद के भारतीय क्षेत्र को भारी नुकसान पहुँचाने के बड़े–बड़े दावों के भी विपरीत है। पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की मौत के बाद भारतीय सैन्य प्रतिष्ठान ने अपने जवाबी हमले के पैमाने और गहराई के बारे में विस्तृत जानकारी दी है। इस पृष्ठभूमि में, इन लक्ष्यों को छोड़ना पाकिस्तान द्वारा नुकसान के पूरे पैमाने को उजागर करने और इस्लामाबाद द्वारा अन्यथा दावा करने की किसी भी संभावना को खत्म करने की एक सोची–समझी रणनीति है। इससे पहले, मैक्सार टेक्नोलॉजीज द्वारा जारी उपग्रह इमेजरी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सटीक हमलों से हुए नुकसान का खुलासा किया था। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ अपने हमले में, भारत ने बहावलपुर में जैश–ए–मोहम्मद मुख्यालय और मुरीदके में लश्कर–ए–तैयबा के प्रशिक्षण केंद्र सहित नौ स्थानों पर हमला किया। 7 मई के हमलों में लक्षित अन्य स्थानों में मुजफ्फराबाद, कोटली, रावलकोट, चकस्वरी, भीमबर, नीलम घाटी, झेलम और चकवाल शामिल थे।

संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर सके मंगोलिया के प्रधानमंत्री, कड़े विरोध के बाद दिया इस्तीफा

वॉशिंगटन। लोकतंत्र कायम करने की राह पर चल रहे मंगोलिया में सियासी उथल–पुथल है। अपने बेटे के बेतहाशा खर्च को लेकर विरोध का सामना कर रहे प्रधानमंत्री ओयुन–एर्डीन लुव्सन्नामसराय संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर सके हैं। प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह इस्तीफा दे दिया। वॉशिंगटन में मंगोलिया के दूतावास ने इसकी पुष्टि की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।